राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 87
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
बुधवार 25 फरवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा एक्सप्रेस का ट्रैफिक लोड कम करेगा 45 मीटर रोड
पेज 4 बाघ हमले में मृत पारुल राय के परिजनों से मिले विधायक
पेज 6 धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

संक्षिप्त खबरें

स्पाइसजेट की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के बोइंग 737 प्लेन की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। फ्लाइट एसजी-121 ने मंगलवार सुबह 6.08 बजे दिल्ली के ही आईजीआई एयरपोर्ट से लेह के लिए उड़ान भरी थी। कुछ देर बाद प्लेन के इंजन-2 में खराबी आ गई। इसके बाद पायलट ने प्लेन वापस दिल्ली की ओर मोड़ लिया। फ्लाइट की 6.49 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 150 यात्री-क्रू सवार थे। घटना पर एयरलाइन ने कहा है कि फ्लाइट की सेफ लैंडिंग हुई है। कॉकपिट में किसी तरह की आग का अलर्ट नहीं मिला था। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

केरल का नाम अब केरलम, कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- नोटा से क्या फायदा

क्या नेताओं की क्वालिटी सुधरी, एक ही उम्मीदवार होने पर यह जरूरी क्यों?

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नोटा (इनमें से कोई नहीं) विकल्प की उपयोगिता और असर पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने मंगलवार को सरकार से पूछा कि इसका क्या फायदा है, क्या नोटा के आने से चुने गए नेताओं की क्वालिटी में सुधार हुआ है?

कोर्ट ने कहा कि नोटा किसी भी सीट को भर नहीं सकता और इसीलिए इसका प्रभाव सीमित है। यदि किसी सीट पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार होता है तो क्या इसके बाद भी इसकी जरूरत है?

जस्टिस बागची ने पूछा- नोटा से कितना असर होता है

सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने कहा- क्या इसके आने के बाद से अच्छे नेता चुनकर आए हैं? एक चिंता की बात यह है कि पढ़े-लिखे और आर्थिक रूप से मजबूत लोग अक्सर कम वोट डालते हैं। वहीं महिलाएं और कम पढ़े-लिखे लोग ज्यादा संख्या में मतदान करते हैं। ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कि नोटा का असली असर कितना पड़ता है और क्या यह सच में चुनाव के नतीजों या नेताओं की गुणवत्ता को प्रभावित कर पा रहा है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो 1951 के रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट के उस प्रावधान को चुनौती देती है जो निर्विरोध (एकल) प्रत्याशी वाले चुनावों में मतदाताओं को नोटा का विकल्प नहीं देता।

याचिका में मांग की गई है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में ही नहीं, बल्कि अगर चुनाव में सिर्फ एक ही उम्मीदवार खड़ा हो, तब भी नोटा का विकल्प दिया जाए। मामले में अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी।

भोपाल की सगी बहनें धर्मांतरण के आरोप में अरेस्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस ने भोपाल में काम देने के बहाने धर्मांतरण और सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में दो सगी बहनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि वे लड़कियों का धर्मांतरण करवाकर अमीर युवकों को गुजरात और मुंबई तक सप्लाई करती थीं। दोनों ने इतना पैसा कमाया कि भोपाल की अब्बास नगर की एक झुग्गी से निकलकर आशिमा मॉल के पास सागर रॉयल विला में आलीशान विला खरीद लिया। अमरीन और आफरीन नाम की ये बहनें लग्जरी लाइफ स्टाइल जीती थीं। मामले का खुलासा तब हुआ, जब रविवार रात को भोपाल और छत्तीसगढ़ की रहने वाली दो युवतियां राजधानी के बाग सेवनिया थाने पहुंच गईं। दोनों ने थाने में अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया। सोमवार को अमरीन, आफरीन और चंदन यादव को गिरफ्तार कर लिया। तीन अन्य आरोपी बिलाल, चानू और यासिर की तलाश की जा रही है।

मोदी पर एपस्टीन-अडाणी के केस का दबाव : राहुल

पीएम ने अमेरिका से देश बेचने की डील की, भोपाल में कांग्रेस की किसान महाचौपाल

भोपाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की।

उन पर एपस्टीन और अडाणी के केस का दबाव है। इस वजह से उन्होंने हिंदुस्तान और किसानों का डेटा अमेरिका को बेच दिया।

राहुल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बोल रहे थे। कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में किसान चौपाल बुलाई थी। इस दौरान राहुल ने कहा,

हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। मैं चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बात रखना चाहता था।

राहुल ने कहा- मैंने लोकसभा में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की बात रखी थी, उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि जब चीनी घुसपैठ हुई थी तो उन्हें हिंदुस्तान की सरकार ने अकेला छोड़ दिया।

राहुल गांधी के भाषण की 5 बड़ी बातें

मोदी ने बिना कैबिनेट से पूछे अमेरिका से डील की- प्रधानमंत्री ने लोकसभा से निकलते ही ट्रंप को फोन किया और बिना कैबिनेट से सलाह लिए डील के लिए तैयार होने की बात कह दी।

किसानों और देश के हित से समझौता किया- सरकार ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में सोया, कपास और भुट्टा बेचने की छूट देने की तैयारी कर ली है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान होगा।

अमेरिका से ट्रेड डील दबाव में की गई - अमेरिका से ट्रेड डील दबाव और धमकी के कारण किया गया। एपस्टीन फाइल और अडाणी से जुड़े मामलों की वजह से सरकार झुकी।

भारत को कुछ नहीं मिला, उल्टा नुकसान होगा - इस डील से भारत को कोई फायदा नहीं हुआ। भारत को ज्यादा टैक्स देना पड़ेगा और हर साल अमेरिका से भारी मात्रा में सामान खरीदना पड़ेगा।

देश की इंडस्ट्री और टेक्सटाइल सेक्टर पर खतरा - अगर अमेरिका से कपास और अन्य सामान सस्ते में आएंगे, तो भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री और स्थानीय उद्योग कमजोर हो जाएंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स बनाए

थरूर-अखिलेश समेत 64 टीम लीडर्स; ये दूसरे देशों के साथ कूटनीतिक रिश्ते मजबूत करेंगे

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को 64 देशों के साथ पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स का गठन किया है। इन ग्रुप्स का मकसद दूसरे देशों के साथ संसदीय कूटनीति को मजबूत करना और वैश्विक मंच पर भारत की संसद की एकजुट लोकतांत्रिक आवाज पेश करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम मोदी ने भारत और अन्य देशों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए पीएफजी बनाने का प्रस्ताव दिया था। अब लोकसभा अध्यक्ष ने इसका गठन किया है।

64 ग्रुप्स में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 704 सांसद हैं। हर ग्रुप में एक लीडर और 10 सदस्य हैं। इनमें भाजपा के सबसे ज्यादा 30 ग्रुप लीडर हैं। कांग्रेस के 10, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और तृणमूल कांग्रेस के 3-3 सांसद ग्रुप लीडर बनाए गए हैं।

भाजपा की तरफ से ग्रुप लीडर्स में हेमा मालिनी, मनोज तिवारी, निशिकांत दूबे जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कांग्रेस से शशि थरूर, टीएमसी से अभिषेक बनर्जी और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन औवेसी भी ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। हालांकि, पीएफजी के सदस्य कैसे काम करेंगे, अभी इसकी औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है।

अंडमान में समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग

श्री विजयापुरम। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह 9.30 बजे एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना के समय उसमें 5 यात्री और 2 पायलट सवार थे। इनमें 3 महिला, 3 पुरुष और एक बच्चा मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर ने सुबह 8.30 बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर के मायाबंदर पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई।

विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट में हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तारी के बाद इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को अदालत में पेश किए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पटियाला हाउस कोर्ट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

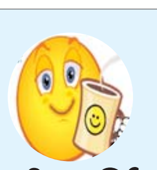

हैप्पी मॉर्निंग

लड़का- बाबा कोई नौकरी नहीं लग रही, इंजीनियर हूं, कोई उपाय बताइए...
बाबा- बेटा कौन सी ब्रांच है...
लड़का- इलेक्ट्रिकल।
बाबा- फिर तो मुझे नहीं पता बेटा, क्योंकि मैं मेकेनिकल से था।

शायरी

गरीब भ्रष्टाचारियों को शर्मसार कर जाते है,
ईमान नहीं बेचते है, भले ही मर जाते है.

16 राज्य और 127 करोड़ का फ्रॉड

'ऑपरेशन ऑक्टोपस' चला हैदराबाद पुलिस ने कसा शिकंजा, 104 जालसाजों को किया अरेस्ट

नई दिल्ली। हैदराबाद पुलिस ने 16 राज्यों में फैले साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ कर 104 जालसाजों को गिरफ्तार किया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी. सज्जनार ने मंगलवार को बताया कि 32 विशेष टीमों ने 10 दिनों में आपरेशन आक्टोपस के तहत कार्रवाई की। आरोपित देशभर में दर्ज 1,055 साइबर धोखाधड़ी मामलों से जुड़े हैं, जिनमें कुल धोखाधड़ी की राशि लगभग 127 करोड़ है। सज्जनार ने कहा कि ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत इन टीमों ने महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, बंगाल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और ओडिशा में साइबर अपराध के हॉटस्पॉट पर कार्रवाई कर 104 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने 204 मोबाइल फोन, 141 सिम कार्ड, 152 बैंक पासबुक, 234 डेबिट/क्रेडिट कार्ड, 26 लैपटाप, 56 कारपोरेट/फर्म स्टांप के साथ-साथ 36 लाख रुपये नकद जब्त किए। हाल के दिनों में धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे पीड़ितों को उनकी मेहनत की कमाई का नुकसान हुआ है।

इसलिए इन अवैध नेटवर्कों पर निर्णायक प्रहार करने के लिए आपरेशन आक्टोपस के तहत कार्रवाई की गई। इन मामलों की जांच के बाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (सीसीपीएस), हैदराबाद ने 151 बैंक खातों के नेटवर्क की पहचान की, जो पीड़ितों के धन को अवैध तरीके से इधर से उधर करने के लिए उपयोग किए जा रहे थे।

सरकार ने 5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को 5 ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर दिया है। जिन प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई हुई, उनमें मूडएक्सवीआईपी, कोयल प्लेप्रो, डिजी मूवीप्लेक्स, फील और जुगनू शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म पर अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट दिखाया जा रहा था। यह कंटेंट आईटी एक्ट 2000, आईटी नियम 2021, आईपीसी की धारा 292 और महिलाओं को गलत तरीक से दिखाने से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करता पाया गया। यह पहली बार नहीं है जब सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया है। पिछले साल जुलाई में Ullu-ALTT समेत 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म बैन किए गए थे।

विमान हादसों के बाद डीजीसीए सख्त

नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर्स के लिए कड़े नियम जारी, वीएसआर वेंचर्स के 4 विमान ग्राउंडेड

नई दिल्ली। महीने भर के अंदर एक के बाद एक निजी चार्टर्ड विमान हादसों के बाद डीजीसीए ने सख्त रुख अपनाते हुए विमानन नियामक डीजीसीए ने गैर-निर्धारित विमान संचालकों (एनएसओपी) के लिए नियम कड़े कर दिए हैं।

हालिया दुर्घटनाओं के मद्देनजर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा मानकों को लेकर कई नई व्यवस्थाओं की घोषणा की है और स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब पायलट से लेकर कंपनी संचालक तक कार्रवाई के दायरे में लाए जाएंगे।

दुर्घटनाग्रस्त हो गया था एयर एंबुलेंस

दरअसल, सोमवार को रांची से दिल्ली जा रहा एक एयर एंबुलेंस विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। यह विमान एक गैर-निर्धारित ऑपरेटर द्वारा संचालित किया जा रहा था। इससे पहले 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती के पास वीएसआर वेंचर्स के स्वामित्व वाला एक लियरजेट-45 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

लगातार दो घातक हादसों ने निजी और गैर-निर्धारित विमान सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन घटनाओं के बाद डीजीसीए ने सभी नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटरों (एनएसओपी) की बैठक बुलाई। बैठक में हाल के विमानन हादसों में वृद्धि पर चिंता जताते हुए सुरक्षा पर विशेष फोकस की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

अर्थसार

सेंसेक्स:
82,225.92
-1,068.73 (1.28%)
निफ्टी:
25,426.65
-286.35

मौसम

अधिकतम		: 28 डिग्री से0
न्यूनतम		: 13 डिग्री से0
सूर्योदय	गुरुवार	: 6 : 58
सूर्यास्त	बुधवार	: 6 : 22

मेरठ में परिवार के 6 लोग घर में जिंदा जले

इनमें जुड़वां बेटियों समेत 5 बच्चे; एक साथ उठा जनाजा तो कांपे लोग

मेरठ। मेरठ में कपड़ा कारोबारी के परिवार के 6 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। इनमें जुड़वां बेटियों समेत 5 बच्चे हैं। कारोबारी पिता सोमवार देर शाम नमाज पढ़ने गए थे, तभी तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। उस वक्त घर में महिलाएं, बच्चों समेत 12 लोग थे। ग्राउंड फ्लोर में लगी आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को बाहर निकलने का वक्त नहीं मिला। सभी लपटों के बीच अंदर फंस गए। पड़ोसियों ने तुरंत फर्स्ट फ्लोर में फंसे 5 लोगों को सीढ़ी लगाकर बाहर निकाल लिया। लेकिन, सेकंड फ्लोर में एक महिला और 5 बच्चे फंस गए। आग-धुआं देखकर महिला डर गई, उसने बचने के लिए सभी बच्चों के साथ खुद को कमरे में बंद कर लिया। थोड़ी देर में पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। आग के बीच सेकंड फ्लोर तक पहुंचने को कोई रास्ता नहीं मिला तो पड़ोसी की दीवार तोड़ी गई। लेकिन, इतनी देर में महिला और 5 बच्चों की मौत हो गई। हादसे में कपड़ा कारोबारी आसिम की पत्नी रुखसार (30), जुड़वा बेटियां अनाबिया, इनायत (6 माह) अकदस (3 साल) और भाई फारुक के दो बच्चे महविश (12), हम्माद (4 साल) की मौत हो गई।

नीला-ड्रम कांड

जलाने के लिए 10 लीटर तारपिन का तेल लाया, रूम स्प्रे छिड़क रहा था

पिता के शव को बाथरूम में काटा, नीले-ड्रम में छिपाया

लखनऊ। लखनऊ में पैथोलॉजी लैब के मालिक मानवेंद्र सिंह की उनके 21 साल के इकलौते बेटे अक्षत प्रताप सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरी और नीला ड्रम खरीदकर लाया। शव को बाथरूम में आरी से काट डाला। फिर टुकड़े ड्रम में भर दिए।

सिर काटकर कार में रखा और घर से 21 किलोमीटर दूर फेंक आया। अन्य हिस्से को तारपिन से जलाने की फिराक में था, लेकिन मौका नहीं मिला। कमरे से बदबू खत्म करने के लिए लगातार स्प्रे छिड़क रहा था। अक्षत ने अपनी बहन के सामने घटना को अंजाम दिया। उसे धमकी दी कि किसी को बताया तो उसे भी मार डालेगा। पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला।

वजह- पापा डॉक्टर बनाना चाहते, बेटे को होटल खोलना था

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता चाहते थे कि वह एनआईआईटी क्वालीफाई करके एमबीबीएस करे। वह इस बात पर अड़ा था कि एमबीबीएस के लिए उस पर जबरदस्ती न की जाए। वह पिता से कहता था कि पैथोलॉजी लैब की जगह लॉन या रेस्टोरेंट खोला जाए, जो ज्यादा अच्छा बिजनेस रहेगा।

इसी बात को लेकर 20 फरवरी को पिता से बहस हुई। गुस्से में उसने पिता की लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी। शव का बुधवार को अंतिम संस्कार होगा। वारदात आशियाना कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-रुकी है। मृतक मानवेंद्र सिंह पैथोलॉजी लैब के अलावा शराब कारोबार से भी जुड़े थे।

मानवेंद्र सिंह मूलरूप से जालौन जिले के रहने वाले थे। उनके पिता सुरेंद्र पाल सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस से रिटायर्ड हैं। कई साल पहले मानवेंद्र आशियाना सेक्टर-एल में मकान बनवाकर रहने लगे थे।

नौ साल पहले उनकी पत्नी का निधन हो गया था। तब से वह बेटे अक्षत और बेटी कृति (17) की खुद ही देखभाल करते थे। आरोपी अक्षत बीकॉम का छात्र है।

संपादकीय

नकली-घटिया सामग्री का बढ़ता बाजार

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

आज के समय में बाजार में नकली और घटिया सामग्री की बाढ़ आ गई है। दवाइयों से लेकर खाद्य पदार्थों, कपड़ों, इलेक्ट्रॉनिक्स और कॉस्मेटिक्स तक हर क्षेत्र में नकली उत्पादों का बोलबाला है। यह समस्या केवल उपभोक्ताओं की जेब पर नहीं, बल्कि उनकी सेहत, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डाल रही है। भारत में यह बाजार तेजी से फैल रहा है, जहां लोग सस्ते दामों के लालच में असली उत्पादों की जगह नकली खरीद बैठते हैं।

नकली सामग्री का बाजार दिन-ब-दिन क्यों बढ़ रहा है? इसका मुख्य कारण मुनाफाखोरी है। नकली उत्पाद बनाने में लागत बहुत कम लगती है, लेकिन बिक्री असली ब्रांड के नाम पर की जाती है, जिससे अवैध व्यापारियों को कई गुना लाभ होता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे ई-कॉमर्स साइट्स और सोशल मीडिया पर नकली सामान की बिक्री आसान हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में नकली सामान का बाजार सालाना 15-25त्न की दर से बढ़ रहा है। कुछ अनुमानों में यह बाजार कई अरब डॉलर का है, जो देश की अर्थव्यवस्था को सालाना अरबों का नुकसान पहुंचा रहा है। असली कंपनियों की बिक्री घटती है, रोजगार प्रभावित होता है और सरकार को टैक्स का नुकसान होता है।

सबसे खतरनाक क्षेत्र स्वास्थ्य से जुड़ा है। नकली दवाइयां मौत का दूसरा नाम बन चुकी हैं। कई बार ये दवाइयां स्टार्च, चॉक या हानिकारक रसायनों से बनाई जाती हैं, जिनमें कोई औषधीय गुण नहीं होता। कोरोना काल में भी नकली दवाओं के कई मामले सामने आए थे। खाद्य पदार्थों में मिलावट भी आम है—नकली घी, मिलावटी दूध, एक्सपायर्ड प्रोडक्ट्स पर फर्जी बारकोड और लेबल चिपकाकर बेचे जाते हैं। हाल ही में कई राज्यों में मिलावटी खोया और घी के बड़े-बड़े मामले पकड़े गए, जहां हजारों किलो नकली सामग्री बरामद हुई। ऐसे उत्पाद लीवर, किडनी और अन्य बीमारियों का कारण बनते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों में भी नकली सामान की भरमार है। नकली चार्जर, ईयरबड्स, मोबाइल एक्सेसरीज से आग लगने या शॉर्ट सर्किट के खतरे रहते हैं। दिल्ली जैसे शहरों में पुलिस ने हजारों नकली डिवाइस जब्त किए हैं। ब्रांडेड कपड़े, जूते और लग्जरी आइटम्स के नकली संस्करण बाजार में 10 गुना सस्ते मिलते हैं, लेकिन ये जल्दी खराब हो जाते हैं और त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। चीन से आयात होने वाले अधिकांश डुप्लीकेट सामान भारत के बाजारों में पहुंच जाते हैं। पालिका बाजार, हीरा पन्ना जैसे बाजार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्लैकलिस्ट हो चुके हैं।

इस समस्या के कई सामाजिक और आर्थिक प्रभाव हैं। उपभोक्ता धोखे का शिकार होते हैं, सेहत बिगड़ती है, अस्पतालों पर बोझ बढ़ता है। असली ब्रांड्स को नुकसान होता है, जिससे नवाचार और रोजगार प्रभावित होता है। गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि वे सस्ते विकल्प तलाशते हैं।

इस बढ़ते खतरे को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है? सबसे पहले उपभोक्ताओं को जागरूक होना होगा। पैकेजिंग की जांच करें—लोगो, फॉन्ट, प्रिंट क्वालिटी, बैच नंबर और एक्सपायरी डेट देखें। हमेशा अधिकृत दुकानों या ब्रांडेड आउटलेट्स से खरीदें। नकली सामान दिखे तो स्न्रस्स्ढ्ढ, ष्टष्टस्ह्र या पुलिस में शिकायत करें। सरकार को सख्त कानून लागू करने, छापेमारी बढ़ाने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर निगरानी मजबूत करने की जरूरत है। एंटी-काउंटरफीट पैकेजिंग जैसे त्तक्रकोड, होलोग्राम और ट्रेसेबिलिटी सिस्टम को बढ़ावा देना चाहिए।

नकली-घटिया सामग्री का बाजार एक गंभीर संकट है, जो हमारी सेहत, अर्थव्यवस्था और समाज को खोखला कर रहा है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और भयावह रूप ले सकती है। हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि सस्ताई के चक्कर में हम अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। असली गुणवत्ता ही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है।

भेदभाव की बीमार सोच

यह कोई नई बात नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी कद-काठी व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है। बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को 'हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र' बताया था। लेकिन अफसोस की बात यह है कि बार-बार भारत के इस विशिष्टता वाले पूर्वोत्तर को तरह-तरह से लांछित किया जाता रहा है। विडंबना है कि इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते रहे हैं। कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द 'धंधेवाली' से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था। इस घटनाक्रम के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर धर्म, जाति व जन्मस्थान आदि के आधार पर कटुता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। निस्संदेह, इस दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार ने एक गहरे जख्म को ही उजागर किया है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा को सिरे से खारिज करने वाली सोच है। साल 2014 में नीदो तानिया की हत्या से लेकर 2025 में अंजेल चकमा की हत्या तक, यह दुराग्रहों का सिलसिला साफ नजर आता है। अक्सर आरोप लगाये जाते रहे हैं कि पूर्वोत्तर के छात्रों व श्रमिकों को उनकी शारीरिक बनावट, खान-पान और भाषा के आधार पर निशाना बनाया जाता है।

यह विडंबना ही है कि कुछ संकीर्ण लोग भारत की समृद्ध विविधता की विरासत का मर्म नहीं पहचानते हैं। किसी राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व सदियों से चली आ रही संस्कृति हमारे रूप-रंग-भाषा व व्यवहार का निर्धारण करती है। कोस-कोस पर भाषा-पानी बदलने वाले देश की यह विविधता इसकी खूबसूरती भी है। इसके मर्म का सम्मान करना व अंगीकार करना हर भारतीय का दायित्व भी है। पर्वतीय इलाकों का परिवेश व जलवायु व्यक्ति के सरल, सहज, सौम्य व्यवहार व कद-काठी का भी निर्धारण करती है। पूर्वोत्तर समाज में स्त्री प्रधान पारिवारिक व्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उसकी महती भूमिका को शेष देश के लोगों द्वारा संशय से देखा जाता है। फलत- परस्पर विश्वास की इस सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका को लेकर नकारात्मक धारणाएं गढ़ ली जाती हैं। यही वजह है कि पूर्वोत्तर के लोगों द्वारा आरोप लगाया जाता कि उनकी महिलाओं को शक की नजर से देखा जाता है और उन पर बिना किसी आधार के अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप तक लगाए जाते हैं।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी क्षेत्रीय पहचान को लेकर किए जाने वाले किसी भेदभाव के प्रति अक्सर चेताया है। निस्संदेह, कालांतर में पैदा होने वाली नस्लीय शत्रुता इस घटनाक्रम का ही एक घिनौना रूप है। हाल ही के दिल्ली प्रकरण में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष है सामाजिक श्रेष्ठता का दावा करना, किसी बड़े राजनेता से संबंध होने का रौब दिखाना और दूसरे को कमतर मान कथित 'औकात' के नाम पर उपहास करना।

दौलत की फाइलें, भरोसे के सवाल

(अधिकारियों की संपत्ति के खुलासे ने पारदर्शिता और जवाबदेही पर नई बहस छेड़ी)

- डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के आईपीएस अधिकारियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक होने के बाद एक बार फिर प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिकता पर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। जब जनता के सामने यह तथ्य आते हैं कि कानून-व्यवस्था संभालने वाले कई वरिष्ठ अधिकारियों के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है—जमीन, प्लॉट, मकान, फार्महाउस या अन्य निवेश—तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में जिज्ञासा और सवाल दोनों पैदा होते हैं। यह सवाल केवल आंकड़ों का नहीं होता, बल्कि उस भरोसे का होता है जो जनता प्रशासन और शासन पर करती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं होता, बल्कि वह जिम्मेदारी और नैतिक आचरण का भी प्रतीक होता है। विशेष रूप से पुलिस और प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारी राज्य की शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे कानून लागू करते हैं, अपराध पर नियंत्रण रखते हैं और आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा करते हैं। ऐसे में जब उनकी आर्थिक स्थिति चर्चा का विषय बनती है, तो जनता यह समझना चाहती है कि यह संपत्ति किस प्रकार अर्जित हुई, क्या यह पूरी तरह वैधानिक है, और क्या इस पर निगरानी की कोई प्रभावी व्यवस्था मौजूद है।

संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करना निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम है। इससे शासन की पारदर्शिता बढ़ती है और नागरिकों को यह अधिकार मिलता है कि वे सत्ता से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत भी यही है कि सत्ता जनता से छिपी हुई नहीं होनी चाहिए। भारत में कई वर्षों से यह परंपरा रही है कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारी अपनी चल-अचल संपत्ति का विवरण सरकार को देते हैं। लेकिन जब यह जानकारी सार्वजनिक होती है, तब उसका महत्व और बढ़ जाता है क्योंकि तब समाज स्वयं भी उस पर नजर रख सकता है।

हालाँकि, केवल आंकड़े सामने आ जाने से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली प्रश्न यह है कि क्या इन विवरणों की गंभीरता से जांच भी होती है? क्या यह सुनिश्चित किया जाता है कि घोषित संपत्ति वास्तविकता से मेल खाती है? क्या आय के स्रोत पूरी तरह स्पष्ट हैं? यदि यह प्रक्रिया केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाए तो पारदर्शिता का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। पारदर्शिता तभी सार्थक होती है जब उसके साथ जवाबदेही भी जुड़ी हो।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सरकारी सेवाओं में काम करने वाले सभी अधिकारियों को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। देश में अनेक ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने ईमानदारी, सादगी और सेवा भावना की मिसाल कायम की है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने कर्तव्य से समझौता नहीं किया। कई अधिकारी ऐसे भी हैं जो वर्षों तक दूर-दराज के क्षेत्रों में काम करते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करते हैं। इसलिए किसी भी चर्चा को संतुलित दृष्टि से देखना आवश्यक है। कुछ मामलों के आधार पर पूरे तंत्र को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा।

लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि पिछले कुछ दशकों में प्रशासनिक तंत्र को लेकर जनता के मन में संदेह बढ़ा है। भ्रष्टाचार के कई मामलों ने लोगों का भरोसा कमजोर किया है। जब आम नागरिक रोजमर्रा के कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाता है, रिश्वत की शिकायतें सुनता है या व्यवस्था की जटिलताओं से जूझता है, तो उसके मन में यह भावना पैदा होती है कि कहीं न कहीं व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। ऐसे माहौल में जब बड़े पैमाने पर संपत्तियों की खबर सामने आती है, तो संदेह और गहरा हो जाता है।

यही कारण है कि संपत्ति के खुलासे को केवल समाचार की तरह देखने के बजाय इसे व्यवस्था को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। सरकार और संबंधित संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संपत्ति घोषणाओं की नियमित और स्वतंत्र जांच हो। यदि कहीं कोई विसंगति पाई जाती है तो उस पर निष्पक्ष कार्रवाई भी हो। इससे ईमानदार अधिकारियों का मनोबल भी बढ़ेगा और भ्रष्टाचार करने वालों के लिए स्पष्ट संदेश भी जाएगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रशासनिक तंत्र में नैतिक मूल्यों को मजबूत किया जाए। कानून और नियम जरूरी हैं, लेकिन केवल नियमों के सहारे पूरी व्यवस्था नहीं चलती। अधिकारियों के भीतर सेवा की भावना, जिम्मेदारी का एहसास और सार्वजनिक जीवन की मर्यादा भी उतनी ही आवश्यक है। जब कोई व्यक्ति उच्च पद पर पहुँचता है तो समाज उससे सामान्य नागरिक की तुलना में अधिक अपेक्षाएँ रखता है। यह अपेक्षा केवल कार्यकुशलता की नहीं बल्कि चरित्र और आचरण की भी होती है।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों का दायित्व है कि वे तथ्यों को सामने लाएँ, लेकिन साथ ही जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करें। किसी भी खबर को सनसनी बनाने के बजाय उसके व्यापक सामाजिक और प्रशासनिक संदर्भ को समझना भी जरूरी है। मीडिया यदि संतुलित और तथ्यपूर्ण चर्चा को आगे बढ़ाएगा तो समाज में स्वस्थ बहस का माहौल बनेगा।

साथ ही नागरिक समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लोकतंत्र केवल सरकार या अधिकारियों से नहीं चलता; इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी होती है। यदि नागरिक जागरूक होंगे, सवाल पूछेंगे और पारदर्शिता की मांग करेंगे तो व्यवस्था स्वाभाविक रूप से अधिक उत्तरदायी बनेगी। सूचना का अधिकार जैसे कानून इसी सोच का परिणाम हैं, जिन्होंने शासन को अधिक खुला बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह भी विचार करने योग्य है कि आज के समय में सरकारी सेवाओं में काम करने वाले अधिकारियों के सामने भी कई चुनौतियाँ हैं। लगातार बढ़ती अपेक्षाएँ, राजनीतिक दबाव, प्रशासनिक जटिलताएँ और सामाजिक परिवर्तन—इन सबके बीच काम करना आसान नहीं होता। इसलिए व्यवस्था को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखने के बजाय सुधार के दृष्टिकोण से देखना अधिक उपयोगी होगा। यदि प्रशासन को मजबूत बनाना है तो उसे पारदर्शिता, प्रशिक्षण, तकनीकी सुधार और नैतिक नेतृत्व—इन सभी पहलुओं पर एक साथ ध्यान देना होगा।

डिजिटल युग में पारदर्शिता की संभावनाएँ और बढ़ गई हैं। यदि संपत्ति विवरण, प्रशासनिक निर्णय और वित्तीय प्रक्रियाएँ अधिक व्यवस्थित रूप से ऑनलाइन उपलब्ध हों तो भ्रष्टाचार की संभावनाएँ कम हो सकती हैं। कई देशों में यह व्यवस्था काफी प्रभावी साबित हुई है। भारत में भी इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

अंतत: यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र का आधार केवल कानून नहीं बल्कि विश्वास होता है। जनता का विश्वास ही सरकार और प्रशासन को वैधता देता है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है तो व्यवस्था की नींव भी कमजोर हो जाती है। इसलिए हर वह कदम जो पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करता है, वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करता है।

हरियाणा के आईपीएस अधिकारियों की संपत्ति का मुद्दा भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह केवल कुछ नामों या आंकड़ों की कहानी नहीं है। यह उस रिश्ते का आईना है जो जनता और प्रशासन के बीच मौजूद है। यदि इस अवसर का उपयोग व्यवस्था को और पारदर्शी, जवाबदेह और नैतिक बनाने के लिए किया जाए, तो यह खबर केवल चर्चा का विषय नहीं बल्कि सकारात्मक बदलाव की शुरुआत भी बन सकती है।

लोकतंत्र में सवाल पूछना गलत नहीं होता; बल्कि वही व्यवस्था को जीवित रखता है। जरूरी यह है कि सवालों का जवाब भी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दिया जाए। तभी जनता का भरोसा मजबूत होगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली -3811

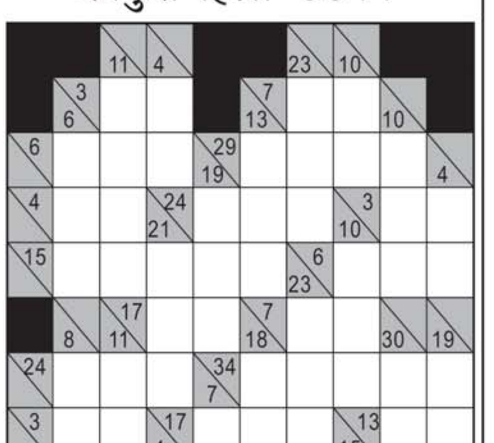

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3810 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली- 3811

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3810

सूडोकु -3811

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -3810 का हल

शब्द पहेली - 3811

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -3810 का हल

नोएडा एक्सप्रेस का ट्रैफिक लोड कम करेगा 45 मीटर रोड

तीन स्थानों पर 2.5 एकड़ जमीन जल्द होगी अधिग्रहीत, पुश्ता रोड की 20 करोड़ से रि-सर्फेसिंग

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेस वे के दोनों ओर की 45 मीटर चौड़ी रोड एक्सप्रेस वे पर वाहनों का लोड कम करेगी। इसे एक्सप्रेस के बैकअप कारिडोर के रुप में विकसित किया जा रहा है। इसका अधिकांश हिस्सा बना हुआ है। तीन स्थानों पर 74 मीटर, 75 मीटर और 81.5 मीटर के गैप है। इस कारण यह सड़क निरंतर रूप से उपयोग में नहीं है। ये रुकावट सेक्टर 163 और 167 के बीच हैं। इनकी कुल भूमि 2.5 एकड़ है।

इन रुकावटों की वजह से सेक्टर 150, 151, 152, 153, 155, 163, 167, 135 और 168 के निवासी इस रोड का एंड टू एंड इस्तेमाल नहीं कर पा रहे। मजबूरी में एक्सप्रेसवे पर चढ़ते हैं, जिससे भीड़ और बढ़ती है। सीईओ कृष्णा करुणेश ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की गई थी। इन पैच को जल्द समाधान निकालकर जमीन ली जाएगी। ताकि कोरिडोर को पूरा किया जा सके।

ये रोड बनेगी एक्सप्रेस वे की लाइफ लाइन

अधिकारियों का कहना है कि एक्सप्रेस वे पर बढ़ते ट्रैफिक लोड के मद्देनज़र सर्विस लेन और सेक्टर रोड को प्लान-बी कॉरिडोर के रूप में तैयार करना जरूरी है। डीएनडी, चिल्ला, कालिंदी कुंज और आंतरिक सड़कों से बढ़ते वॉल्यूम, और एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद आने वाला अतिरिक्त दबाव इन सबके चलते समानांतर मार्ग की आवश्यकता और अधिक अहम हो गई है। ये एक्सप्रेस वे की लाइफ लाइन बनेगी।

प्राथमिकता के आधार पर होगी चालू

प्राधिकरण के अनुसार फिलहाल प्राथमिकता 45 मीटर सेक्टर रोड को मजबूत कर लगातार चालू करने की है, ताकि जरूरत पड़ने पर यातायात को यहां मोड़ा जा सके। लंबे समय के लिए पैरेलल एक्सप्रेसवे का प्रस्ताव अभी भी पाइपलाइन में है, लेकिन यह राज्य और केंद्र की मंजूरी पर निर्भर करेगा। तब तक, यही सेक्टर रोड नोएडा का प्रमुख बैकअप रूट बनेगी।

पुश्ता रोड की होगी रि-सर्फेसिंग

नोएडा के पुश्ता रोड की रि-सर्फेसिंग की जाएगी। करीब 11.5 किमी लंबी रोड चार लेन की है। यहां से यातायात होता है। ये रोड भी एक्सप्रेस वे का एक प्रकार से बैकअप है। इसके लिए 20 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सिचाईं विभाग ने इसकी अनुमति दे दी है साथ ही पैसा भी प्राधिकरण के देगा। जिसके बाद प्राधिकरण इस रोड की रि-सर्फेसिंग कराएगी।

बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की हत्या

दुपट्टे से गला घोंटा, घरवालों को मौत की वजह हार्ट अटैक बताई

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में महिला ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पति जब सो गया तो उसने बॉयफ्रेंड को घर बुलाया। इसके बाद दोनों ने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। महिला ने लोगों और पुलिस को मौत की वजह हार्ट अटैक बताया।

पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत की वजह दम घुटना आया। इसके बाद पुलिस ने पत्नी से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। घटना सूरजपुर थाना क्षेत्र की है।

फैक्ट्री से शुरू हुआ था अफेयर

विजय, मृतक

बुलंदशहर के नरौरा के बेलोन गांव का रहने वाला विजय (33) साइट-सी औद्योगिक क्षेत्र स्थित नौवा नामक कूलर फैक्टरी में काम करता था। उसकी पत्नी राखी (29) भी उसी फैक्ट्री में काम करती थी। दोनों देवला गांव में किराए के मकान में रहते थे। उनके 3 बच्चे हैं।

इसी फैक्ट्री में सीतापुर के विचपरिया पिसावा निवासी गुरदीप (31) भी काम करता था। गुरदीप का विजय के घर आना जाना था। इस दौरान गुरदीप और राखी में लव अफेयर हो गया। विजय को इसकी जानकारी हुई तो आपस में झगड़ा हुआ।

इसके बाद गुरदीप ने फैक्ट्री छोड़ दी। वह टैक्सी चलाने लगा। मगर राखी से उसकी बाचचीत जारी रही। करीब एक साल पहले गुरदीप के साथ राखी भाग गई। करीब एक साल तक उसके साथ रही। बाद में परिजनों के समझाने पर वह वापस लौट आई। इसके बाद विजय उसे बुलंदशहर गांव ले आया। मगर पति-पत्नी के बीच विवाद जारी रहा।

रविवार को दोनों में विवाद हुआ था

विजय करीब 15 दिन पहले पत्नी को बुलंदशहर से देवला गांव लेकर आया था। रविवार को पति और पत्नी के बीच विवाद हुआ।

राखी ने फोन कर गुरदीप को घर बुला लिया। जब विजय सो गया तो दोनों ने मिलकर दुपट्टे से फंदा लगाकर उसका गला घोंट दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

उसने घरवालों और मोहल्ले वालों से कहा कि पति की डेथ हो गई। शक होने पर पड़ोसियों ने सोमवार सुबह पुलिस को सूचना दी। पुलिस से राखी ने कहा कि विजय की हार्ट अटैक से मौत हुई है।

विजय के शरीर पर निशान मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट में आया कि विजय की मौत गला दबाने से हुई है। इसके बाद पुलिस ने राखी को हिरासत में लिया। उससे पूछताछ की तो उसने सब बता दिया।

उसने पुलिस को बताया कि विजय की हत्या उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर की है। विजय उनके संबंधों में बाधा बन रहा था।

पुलिस ने विजय के भाई अशोक की शिकायत पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति अवस्थी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी पत्नी राखी और उसके प्रेमी गुरदीप को मोजर बेयर गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार कर लिया है। घटना में इस्तेमाल किया गया दुपट्टा भी बरामद कर लिया गया है।

ग्रेटर नोएडा में 200 किलो मिलावटी पनीर नष्ट

खाद्य सुरक्षा विभाग ने होली से पहले की बड़ी कार्रवाई

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने तिलपता गांव स्थित चौधरी पनीर भंडार से लगभग 200 किलोग्राम मिलावटी और दूषित पनीर जब्त किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी विशाल कुमार और सैयद इब्दुल्लाह के नेतृत्व में टीम ने पनीर का एक नमूना जांच के लिए लिया और शेष 200 किलोग्राम पनीर को गांव के पास एक नाले में डालकर नष्ट कर दिया। इसी अभियान के तहत नोएडा में खाद्य सुरक्षा अधिकारी एसके पांडे और ओपी सिंह की टीम ने भी कार्रवाई की। टीम ने सेक्टर 45 स्थित गणेशपुरम रेस्टोरेंट से खोया का एक नमूना लिया। इसके अतिरिक्त नोएडा के सेक्टर 93 स्थित गोपाल स्वीट्स से भी खोया का एक नमूना एकत्र किया गया। विभाग ने कुल तीन नमूने जांच के लिए

प्रयोगशाला भेजे हैं। खाद्य सुरक्षा उपयुक्त सर्वेश कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर आगामी होली पर्व को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी मिलावटखोर को बख्शा नहीं जाएगा।

विभाग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले के लोगों को शुद्ध और स्वच्छ मिठाइयां तथा अन्य खाद्य पदार्थ मिलें। उन्होंने आगे कहा कि मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शार्ट न्यूज

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर में मंगलवार को जूनियर हाईस्कूल समेत अन्य विद्यालयों के शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। यह प्रदर्शन सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) पास करना अनिवार्य किए जाने के विरोध में था। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष निरंजन नागर ने किया। शिक्षकों का कहना है कि वे शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के पक्षधर हैं और वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनका आरोप है कि लंबे समय से कार्यरत अध्यापकों पर अचानक टीईटी उत्तीर्ण करने का दबाव बनाना उचित नहीं है, जिससे उनमें असंतोष बढ़ रहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान विद्यालयों में पठन-पाठन की व्यवस्था पूरी तरह सुचारु रही। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित करना नहीं था, बल्कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाना था। जिलाध्यक्ष निरंजन नागर ने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में 26 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जिला मुख्यालय सूरजपुर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

दनकौर पुलिस ने छात्राओं को किया जागरूक

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में पुलिस ने मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया। बिशम्बर दयाल राममूर्ति देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सोमवार को दनकौर कोतवाली पुलिस ने छात्राओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से यह कार्यक्रम किया। इसका शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने सरस्वती वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्ताओं ने छात्राओं को आत्मरक्षा, शिक्षा के महत्व और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर दिया कि आज के समय में बेटियों का आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी होना अत्यंत आवश्यक है। वक्ताओं ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, साइबर सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस विभाग की महिला अधिकारियों ने आत्मरक्षा के सरल और प्रभावी तरीके भी सिखाए। छात्राओं ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया।

हर्ष भाटी ने योगासन चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर स्थित यश कान्वेंट स्कूल के कक्षा तीन के छात्र हर्ष भाटी ने इंटर स्कूल योगासन चैंपियन-2026 में स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता गाजियाबाद के बाल भारती स्कूल में मंगलवार को आयोजित की गई थी। इसमें यूपी बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, हर्ष भाटी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। स्कूल की संचालिका मंजू भाटी ने बताया कि हर्ष पढ़ाई में भी होनहार छात्र हैं और अनुशासन के साथ अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। हर्ष के पिता सुनील कुमार रियल एस्टेट व्यवसाय से जुड़े हैं।

हापुड़ की महिला ने गाजियाबाद में सुसाइड किया

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कविनगर इलाके में लोहा मंडी स्थित अग्रसेन वाटिका में महिला ने गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया है कि महिला का अपने पति और ससुरालालियों से विवाद हुआ था। जिसने खुद को बाथरूम में पहुंचकर गोली मारी है। पुलिस महिला के पति से भी पूछताछ कर रही है। प्रथम दृष्टा पुलिस महिला द्वारा ही आत्महत्या की घटना होना बताया है। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि हापुड़ के पिलखुवा निवासी पिंटू तोमर यहां अग्रसेन वाटिका में तीसरी मंजिल पर बने फ्लैट में अपनी पत्नी प्रीति तोमर (40) के साथ रहते हैं। प्रीति तोमर की अपने परिजनों से मंगलवार शाम को कुछ कहासुनी हो गई थी। जांच पड़ताल की गई तो यह तथ्य प्रकाश में आया कि प्रीति तोमर ने खुद गोली मारी पारिवारिक कलह से महिला द्वारा अपने बेडरूम के वाशरूम में बंद करके स्वयं को गोली मार ली गई थी, तत्काल उसे उपचार हेतु मणिपाल हॉस्पिटल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। जहां पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

युवक 1 किलो ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कौशाम्बी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को 1 किलो 30 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। मंगलवार को कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस को सोमवार देर रात सूचना मिली थी कि वैशाली के सेक्टर 02/05 की पुलिया के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। सूचना मिलते ही कौशाम्बी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 30 ग्राम अवैध ड्रग्स बरामद हुई। गिरफ्तार युवक की पहचान रहीशपुर निवासी सुहेब उर्फ सुहेल (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। पूछताछ में सुहेब ने बताया कि वह दिल्ली से किसी अज्ञात व्यक्ति से अवैध ड्रग्स खरीदता था। इसके बाद वह दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों में घूमकर नशेड़ियों को यह ड्रग्स बेचता था। ड्रग्स बेचकर मिले पैसों से वह अपने शौक पूरे करता था।

साइबर ठग को किया गिरफ्तार

महाराष्ट्र में भी शिकायत, पॉलिसी मैच्योर के नाम पर करता था ठगी

नोएडा। इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर कराने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक शातिर अपराधी को साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से मोबाइल, लैपटॉप और नगदी समेत अन्य सामान बरामद हुआ है।

आरोपी का नाम 27 साल का अमन कुमार हुई है। वह फिरोजाबाद का रहने वाला है। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि 23 फरवरी को एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की जांच के दौरान कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबर सामने आए। इन नंबरों की तकनीकी जांच और लोकल इंटेलीजेंस की मदद से पुलिस ने नोएडा से आरोपी को पकड़ लिया।

उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र में शिकायत

जांच में सामने आया कि अमन कुमार लोगों को फोन कर उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर होने का झांसा देता था और प्रोसेसिंग फीस या अन्य चार्ज के नाम पर पैसे अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करा लेता था। आरोपी के बैंक खातों के खिलाफ उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से कुल दो शिकायतें दर्ज हैं। इन खातों में करीब 2.88 लाख रुपये की रकम प्राप्त हुई है।

गिरोह तक पहुंचने का प्रयास

पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 10 हजार रुपये नकद और तीन बैंक खातों के स्टेटमेंट बरामद किए हैं। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर कराने के नाम पर यदि कोई अज्ञात व्यक्ति पैसे मांगे तो सावधान रहें।

नोएडा में थार चलाने वाले युवक पर एफआईआर

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 49 थानाक्षेत्र स्थित निजी अस्पताल के सामने सोमवार शाम को तेज रफ्तार काली महिंद्रा थार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ई रिक्शा चालक के परिजनों ने हंगामा किया और सड़क जाम करने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने लोगों को समझाया। परिजनों की शिकायत पर थार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी थार चालक की पहचान पिंकी चौहान हुई है। सेक्टर-45 में रहता है और प्रॉपर्टी का डीलिंग का काम करता है। जिस समय वो कार ड्राइव कर रहा था अकेले था। रफ्तार तेज होने की वजह से अनियंत्रित हुई और ई रिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें बरौला गांव निवासी राजेश, अनूप, राकेश और ओमप्रकाश है। अनूप को देर रात फोर्टिस अस्पताल शिफ्ट किया गया। वहीं बाकी तीनों का इलाज नजदीक के अस्पताल में चल रहा है। टक्कर इतनी भीषण थी कि थार का एक पहिया तक टूटकर अलग हो गया। सड़क पर खून बिखर गया और आसपास अफरा-तफरी मच गई।

पत्नी के सामने पति की गोली मारकर हत्या

ग्रेटर नोएडा में दौड़ाकर 3 गोलियां मारीं, गर्दन पर चाकू बरसाए

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में मंगलवार को दिनदहाड़े 30 साल के ई-रिक्शा एजेंसी संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 3 हमलावरों ने नितिन को घर की गली में दौड़ा लिया।

फिर घर के गेट के बाहर पत्नी के सामने 3 गोलियां मारीं। जब पत्नी बचाने दौड़ी, तो एक हमलावर ने उस पर भी पिस्टल तान दी।

इसके बाद चाकू से गर्दन पर कई वार किए। जब मोहल्ले के लोग दौड़े तो हमलावर भाग गए। घरवाले घायल को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मर्डर का लाइव सीन सीसीटीवी में कैद हो गया।

घटना थाना ईकोटेक-1 क्षेत्र की है। पुलिस ने 2 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया, तीसरे की तलाश में दबिश दे रही है। ई-रिक्शा एजेंसी संचालक हत्या के केस में 4 महीने पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था।

शैंपू लेकर घर आ रहा था एजेंसी संचालक

गांव लुक्सर में रहने वाला नितिन ई-रिक्शा एजेंसी चलाता था। मंगलवार सुबह वह शैंपू लेने दुकान पर गया था। करीब 11 बजे वह शैंपू लेकर घर लौट रहा था। रास्ते में घात लगाए 3 हमलावरों ने उसे पीछे से पकड़ लिया। नितिन ने भागने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उसे दौड़ा लिया।

नितिन को उसके घर के सामने पकड़कर सड़क पर गिरा दिया। फिर एक के बाद एक 3 गोलियां मारीं। गोली लगते ही नितिन सड़क पर खून से लथपथ होकर गिर गया। उधर, गोलियों की आवाज सुनकर उसकी पत्नी श्वेता घर से बाहर आ गई। उसने पति को बचाने की कोशिश की, तो एक हमलावर ने उस पर तमंचा तान दिया।

घर के सामने गिराकर मारीं गोलियां, पत्नी चीखती रही

गोली मारने के बाद हमलावरों ने चाकू से नितिन की गर्दन पर कई वार किए। इसी बीच मोहल्लेवालों को आता देखकर तीनों हमलावर भाग गए। नितिन के एक रिश्तेदार ने बताया कि उसके 2 बच्चे हैं। नितिन की हत्या गांव के रहने वाले सचिन, जीते और उसके एक दोस्त ने की है। पुलिस ने 2 हमलावरों को पकड़ लिया है। बताया जाता है कि साल- 2024 में विनय ठेकेदार की हत्या हो गई थी। इसमें नितिन आरोपी था।

हत्या के आरोप में जेल गया था नितिन

इसके बाद नितिन ने दिल्ली की एक कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। वहां से नितिन को जेल भेज दिया गया था। कुछ दिन पहले ही वह जमानत पर जेल से बाहर आया था। जब नितिन जेल में था (6 महीने पहले), तभी उसके पिता फिरे नागर की हत्या हो गई थी। उनका शव घंघौला के खेतों में मिला था। उनकी हत्या में भी सचिन पर ही शक जताया गया था। लेकिन, उस समय नितिन जेल में था। इस वजह से शिकायत नहीं दी गई थी। पुलिस ने भी कोई कार्रवाई नहीं की थी।

वहीं, एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि नितिन की हत्या के मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने चुना मोबिलिटी पार्टनर

MANN FLEET को बनाया अपना पार्टनर, यात्रियों को मिलेंगी आसान ट्रांसपोर्ट सेवाएं

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने Mann Fleet Partners Limited को अपना मोबिलिटी सर्विस पार्टनर चुना है। यह कंपनी एयरपोर्ट पर यात्रियों और कर्मचारियों के लिए ग्राउंड ट्रांसपोर्ट की सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

समझौते के तहत Mann Fleet एयरपोर्ट पर कई तरह की सेवाएं चलाएगी। जिसमें एक्सक्लूसिव रेंटल कार सर्विस, यात्रियों के लिए अलग पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ पॉइंट बनाए जाएंगे, ताकि उन्हें कम चलना पड़े।

इंट्रा-टर्मिनल बस शटल के तहत एयरपोर्ट कैंपस के अंदर आने-जाने के लिए बसें चलेंगी। इंट्रा-सिटी शटल सर्विस के तहत एयरपोर्ट को शहर के प्रमुख स्थानों से जोड़ा जाएगा। जिसके तहत परिचौक, बॉटेनिकल गार्डन और ग्रेटरनोएडा वेस्ट शामिल है। इसके अलावा और भी रूटों को जोड़ा जाएगा।

इस मौके पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के CEO Christoph Schnellmann ने कहा कि बेहतर ट्रांसपोर्ट सुविधा किसी भी वर्ल्ड-क्लास एयरपोर्ट के लिए जरूरी है। Mann Fleet के साथ यह साझेदारी यात्रियों और कर्मचारियों की यात्रा को आसान और आरामदायक बनाएगी। वहीं कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर Amrit Mann ने कहा कि यह साझेदारी हमारी क्षमता और अनुभव का प्रमाण है।

हमारा लक्ष्य एक भरोसेमंद और ग्राहक-केंद्रित मोबिलिटी सिस्टम तैयार करना है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि यह व्यवस्था पहले से किए गए समझौतों को और मजबूत करेगी। हाल ही में एयरपोर्ट पर ट्रांसपोटेशन के लिए उत्तर प्रदेश स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन, दिल्ली ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन, हरियाणा रोडवेज और उत्तराखंड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन के साथ एमओयू हो चुके है।

महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से एक महिला अपने दो मासूम बच्चों को कमरे में बंद कर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पीड़ित पति ने मंगलवार को कोतवाली पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता पति के अनुसार, उनकी शादी करीब तीन वर्ष पहले हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। इनमें एक दो महीने का बेटा और एक करीब सवा साल की बेटी शामिल है। पति ने बताया कि वह मंगलवार दोपहर ड्यूटी पर गए हुए थे। जब वह घर लौटे तो बच्चों के रोने की आवाज सुनकर पड़ोसियों की मदद से कमरे का दरवाजा खुलवाया। पीड़ित पति का आरोप है कि पत्नी किसी युवक के साथ फरार हुई है। कई घंटे की तलाश के बाद भी जब पत्नी नहीं मिली तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

नोएडा में युवराज मौत के बाद पीआईएल दाखिल

17 मार्च को होगी सुनवाई, रिस्पांस टीम से लेकर प्राधिकरण से मांगा जवाब

नोएडा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा में बार-बार सामने आ रही गंभीर घटनाओं को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों से विस्तृत जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च 2026 तय की है।

याचिकाकर्ता हिमांशु जायसवाल द्वारा दायर पीआईएल में नोएडा क्षेत्र में आवर्ती घटनाओं जिनमें सार्वजनिक सुरक्षा, स्ट्रक्चर जोखिम और आपदा प्रबंधन से जुड़े पहलू शामिल करते हुए प्रभावी रोकथाम उपायों की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान नोएडा प्राधिकरण की ओर से वरिष्ठ वकील और राज्य की ओर से स्टैंडिंग काउंसल ने अदालत से निर्देश प्राप्त करने और काउंटर एफिडेविट दाखिल करने के लिए समय मांगा।

अदालत ने स्पष्ट किया कि अगली तारीख तक उठाए गए प्रस्तावित कदमों का ब्योरा प्रस्तुत किया जाए। याचिका में उत्तर प्रदेश सिचाईं विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस आयुक्त, स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) और नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) को भी पक्षकार बनाया गया है। अदालत के निर्देश के बाद अब इन एजेंसियों के बीच समन्वय और जवाबदेही पर चर्चा तेज हो गई है।

बेसमेंट में कार डूबने से हुई थी मौत

16 जनवरी को रात बता दे ये याचिका हाल ही में नोएडा के सेक्टर-150 में युवराज की मौत के बाद लगाई गई। जिसमें नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन, अग्निशमन और पुलिस पर सवालिया निशान लगे थे। युवराज की मौत 16 जनवरी को सेक्टर-150 के एससी-02 ए-3 प्लाट के बेसमेंट में भरे पानी में डूबने से हो गई थी।

एसआईटी सौंप चुकी है रिपोर्ट

इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक एसआईटी गठन किया था। पांच दिनों की जांच और 150 से ज्यादा बयान के बाद इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। अब तक इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ लोकेश एम और एक जेई को ही हटाया गया। जिसके बाद से कोई एक्शन नहीं लिया गया।

गांधी स्टेडियम में सजा 'सरस मेला-2026'

स्वामी प्रवक्तानंद की उपस्थिति में माटीकला कारीगरों को टूल किट्स वितरण, ग्राम प्रधानों का सम्मान

पीलीभीत। नगर के गांधी स्टेडियम में आयोजित जनपद सरस मेला-2026 मंगलवार को ग्रामीण स्वावलंबन, पारंपरिक शिल्प और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सजीव केंद्र बन गया। मेले में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर दिनभर लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण उत्पादों, हस्तशिल्प, खादी वस्त्रों और माटी से बने आकर्षक उत्पादों ने आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने मेले में पहुंचकर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और कारीगरों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं व संभावनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड के तत्वावधान में माटीकला टूल किट्स वितरण एवं एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पात्र लाभार्थियों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए।

माटीकला टूलकिट्स वितरण योजना के अंतर्गत 30 लाभार्थियों को निःशुल्क विद्युत चालित चाक तथा 5 लाभार्थियों को पगमिल मशीन वितरित की गई। साथ ही उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह पहल पारंपरिक कारीगरों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।? खादी एवं ग्रामोद्योग विकास तथा सतत रोजगार प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत स्वरोजगार इकाइयों की स्थापना में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रत्येक विकासखंड की दो-दो ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इससे ग्राम स्तर पर उद्योग स्थापना और स्थानीय रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

परंपरा और तकनीक का मेल जरूरी विधायक

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि माटीकला केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा की धरोहर है। उन्होंने कहा कि यदि पारंपरिक शिल्प को आधुनिक तकनीक और बाजार से नहीं जोड़ा गया तो यह कला धीरे-धीरे लुप्त हो सकती है।

उन्होंने कारीगरों, ग्रामीण युवाओं और महिला स्व-सहायता समूहों से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। आधुनिक मशीनों और प्रशिक्षण के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में वृद्धि संभव है, जिससे आय में भी बढ़ोतरी होगी। मेले में खादी ग्रामोद्योग, हस्तकला, माटी उत्पाद, खाद्य प्रसंस्कृत सामग्री एवं अन्य ग्रामीण उत्पादों के स्टॉलों ने स्थानीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को रेखांकित किया।

अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देकर जनपद में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। इससे न केवल आर्थिक सशक्तिकरण होगा, बल्कि सांस्कृतिक पहचान भी सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम में उपायुक्त एनआरएलएम, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग केंद्र, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा, डीडीएम नाबार्ड सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वावलंबन की ओर मजबूत कदम

जनपद सरस मेला-2026 केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रतिभा, कौशल और आत्मनिर्भरता का उत्सव बनकर उभर रहा है।

यह मेला परंपरा और प्रगति के संतुलन का संदेश देता है, जहां एक ओर सांस्कृतिक विरासत को संजोया जा रहा है तो दूसरी ओर आधुनिक संसाधनों के माध्यम से आर्थिक विकास की राह प्रशस्त की जा रही है। आयोजकों ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे मेले में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करें और कारीगरों का उत्साहवर्धन करें, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल सके।

बाघ हमले में मृत पारुल राय के परिजनों से मिले विधायक

पीलीभीत। 128 विधानसभा क्षेत्र बरखेड़ा के संजय नगर कॉलोनी (महोफ कॉलोनी) में बीते दिनों बाघ के अचानक हमले में पारुल राय की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

मंगलवार को महामंडलेश्वर एवं बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज शोक संतप्त परिवार से मिलने उनके आवास पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि यह केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की क्षति है। इस कठिन समय में परिवार स्वयं को अकेला न समझे— हर स्तर पर सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

सरकार की ओर से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

एसडीएम श्रद्धा सिंह व कानूनगो रमेश की उपस्थिति में प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता परिवार के खाते में हस्तांतरित की गई। विधायक ने सहायता का प्रमाणपत्र सौंपते हुए कहा कि शासन-प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और आगे भी हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

इस अवसर पर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने कहा कि ऐसी दुखद घटनाएं अत्यंत पीड़ादायक होती हैं और समाज को संवेदनशीलता के साथ एकजुट होकर पीड़ित परिवार का सहारा बनना चाहिए। उन्होंने कहा, दुख की इस घड़ी में हमारा दायित्व केवल संवेदना प्रकट करना नहीं, बल्कि परिवार के साथ मजबूती से खड़ा रहना है। हर संभव सहायता—चाहे वह प्रशासनिक हो, आर्थिक हो या सामाजिक सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वन्यजीव प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इस दौरान बबलू कश्यप, युगल वर्मा, ग्राम प्रधान नरेश, विश्वजीत डे सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। बरखेड़ा विधायक की पहल से शोकग्रस्त परिवार को आर्थिक संबल मिलने के साथ-साथ सामाजिक समर्थन भी मिला है। क्षेत्रवासियों ने इसे संवेदनशील नेतृत्व और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण बताया है।

शार्ट न्यूज

खनन विभाग एवं पुलिस के संयुक्त कार्यवाही में 28750 रूपये जुर्माना वसूला एवं 10 अवैध ट्रक सीज

हरिनारायण यादव ब्यूरो विशाल इंडिया

गाजीपुर। खनन विभाग और स्थानीय पुलिस संयुक्त कार्रवाई में लाल बालू लदी 10 ट्रैकों पर जुर्माना लगाकर जुर्माना की धनराशि अदा न करने पर थाना परिसर में खड़ा कर दिया गया । खनन निरीक्षक ईश्वरचंद और थाना अध्यक्ष संतोष कुमार राय के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम मंगलवार की रात राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर बालू लदे वाहनों की चेकिंग कर रहे थे ,इसी दौरान लाल बालू लदी ट्रक जिनके पास आवश्यक कागजात नहीं थे उनके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाकर थाना परिसर में खड़ा कर दिया गया ।खान निरीक्षक ईश्वर चंद्र ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर थाना मुख्यालय के पास चेकिंग के दौरान अंतर राज्य परिवहन शुल्क जमाना करने की कारण लाल बालू लदी प्रत्येक वाहन 28750 रुपए जुर्माना लगाकर लालबालू लदी 10 ट्रैकों को जुर्माना की राशि अदा न करने के कारण थाना परिसर में खड़ा कर दिया गया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर बढ़नपुरा के पास सरकारी पुलिया होने और छोटे-बड़े वाहनों की संख्या हजारों में होने के कारण लगभग प्रतिदिन घंटों जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है ।

दो मोटरसाइकिल, तमंचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

हरिनारायण यादव ब्यूरो गाजीपुर

गाजीपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत थाना जमानियां पुलिस टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।24 फरवरी को उपनिरीक्षक अश्वनी प्रताप सिंह मय हमराह द्वारा पाण्डेय मोड़ पर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित घेराबंदी कर सेंट मैरी स्कूल के पास से वांछित अभियुक्त सुक्खु बिन्द पुत्र जवाहिर बिन्द को गिरफ्तार कर लिया ।गिरफ्तारी के समय अभियुक्त के कब्जे से 2 ? चोरी की मोटरसाइकिल, 1 देशी तमंचा .315 बोर तथा 1 जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। अभियुक्त थाना जमानियां में पंजीकृत मु0अ0सं0 421/25 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस एवं मु0अ0सं0 49/2026 धारा 303(2) बीएनएस में वांछित चल रहा था। अवैध हथियार की बरामदगी के संबंध में थाना जमानियां पर मु0अ0सं0 50/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत एक नया अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

प्रथम पुण्यतिथि पर याद किए गए पत्रकार पं. राकेश शुक्ला

ललितपुर। प्रेस क्लब रजि. के तत्वाधान में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष राजीब बबेले सप्पू ने की। जबकि संचालन महामंत्री अमित सोनी ने किया। इस दौरान प्रेस क्लब के वरिष्ठ सदस्य रहे मान्यता प्राप्त पत्रकार पं. राकेश शुक्ला की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। उपस्थित पत्रकार बंधुओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने कहा कि कीर्तिशेष पं. राकेश शुक्ला जी ने पत्रकारिता के मूल उद्देश्यों को जीवंत रखा और जीवन पर्यन्त वह समर्पित रहे। जनपद के उत्थान एवं विकास में उनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अपनी निष्पक्ष लेखनी से पीडित असहाय, गरीब, वंचितों की आवाज शासन प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते रहे। वह पत्रकार एकता, उनके संगठन के प्रति सदैव सक्रिय रहे।

देवरिया के प्राथमिक शिक्षक की आत्महत्या

गाजीपुर। देवरिया जनपद के प्राथमिक शिक्षक कृष्ण मोहन ने शनिवार को फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि बीएसए देवरिया शालिनी श्रीवास्तव द्वारा घूस की मांग को लेकर न्यायालय के आदेश के बावजूद प्रकरण को एक वर्ष तक लंबित रखा गया और बार-बार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। मौत से पहले शिक्षक ने एक भावुक वीडियो बनाया और चार पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें शिक्षा विभाग के कथित भ्रष्ट तंत्र का काला चिट्ठा उजागर किया गया है। इस हृदयविदारक घटना के विरोध में इंटर कॉलेज करंडा, गाजीपुर में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के निवर्तमान उपाध्यक्ष अविनाश सिंह गौतम ने कहा कि यह घटना पूरे शिक्षक समाज के लिए गहरा सदमा है। बीएसए द्वारा घूस के लिए प्रताड़ित किए जाने से एक शिक्षक की जान जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने दोषियों के निलंबन व गिरफ्तारी की मांग की।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया सहायक लाइनमैन, एंटी करप्शन टीम वाराणसी ने की कार्रवाई

गाजीपुर। बिजली चोरी का मुकदमा न दर्ज कराने और कनेक्शन देने के नाम पर उपभोक्ता से 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए निविदा पर कार्यरत सहायक लाइनमैन शिशवन्त कुमार उर्फ छोटू को एंटी करप्शन टीम वाराणसी ने रंगेहाथ दबोच लिया। पूछताछ के बाद आरोपी के खिलाफ नंदगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार ने 23 फरवरी को एंटी करप्शन वाराणसी थाने में उपस्थित होकर बताया कि जेई से बिजली चोरी का मुकदमा न लिखवाने और विद्युत कनेक्शन देने के नाम पर उससे 5 हजार रुपये सुविधा शुल्क की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने पर निरीक्षक दिग्विजय नाथ तिवारी के नेतृत्व में टीम शिकायतकर्ता के साथ सादात पावर हाउस पर पहुंची। वहां 33/11 विद्युत उपकेन्द्र सिरगिथा पर कार्यरत शिशवन्त कुमार को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया। इसके बाद आरोपी को नंदगंज थाने ले जाकर मुकदमा दर्ज कराया गया।

मिशन शक्ति फेज-5.0 : महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

ललितपुर। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

वाराणसी में बीच गंगा में नाव में लगी आग

वाराणसी। वाराणसी के पांडेय घाट के सामने गंगा नदी के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नाव संचालन के दौरान एक नाव में अचानक आग लग गई। राहत की बात यह रही कि नाव में उस समय कोई यात्री सवार नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के मुताबिक, नाव संचालन के दौरान बीच गंगा में ही नाव का तेल खत्म हो गया, जिससे वह रुक गई। इसके बाद नाविक ने तुरंत इंजन में डीजल डाला। इंजन पहले से गर्म होने के कारण उसमें आग भड़क उठी। आग लगते ही आसपास मौजूद अन्य नाविकों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस का कहना है कि आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। घटना के बाद नाव संचालन में सुरक्षा मानकों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

पूरनपुर चीनी मिल ने जारी किया बंदी का नोटिस

25 फरवरी 2026 तक गन्ना आपूर्ति करने का अनुरोध, 18.33 लाख कुंतल गन्ने की हो चुकी पेराई

पीलीभीत। जनपद की प्रमुख औद्योगिक इकाई पूरनपुर चीनी मिल ने पेराई सत्र 2025-26 के समापन को लेकर बंदी का नोटिस जारी किया है। मिल प्रशासन की ओर से संबद्ध गन्ना किसानों को सूचित किया गया है कि कैलेंडर की समस्त गन्ना पर्चियां जारी कर दी गई हैं।

किसानों से लगातार अनुरोध किया जा रहा है कि वे 25 फरवरी 2026 तक चीनी मिल में अपना गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित कर दें। जिन किसानों की गन्ना पर्ची समाप्त हो चुकी है, वे सीधे मिल गेट पर संपर्क कर नई पर्ची प्राप्त कर सकते हैं।

19 नवंबर से शुरू हुआ था पेराई सत्र

मिल प्रशासन के अनुसार पेराई सत्र का शुभारंभ 19 नवंबर 2025 को किया गया था। अब तक कुल 18.33 लाख कुंतल गन्ने की पेराई की जा चुकी है। वर्तमान में अधिकांश गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ना लगभग समाप्त हो चुका है, जिससे सत्र के समापन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

14 क्रय केंद्रों पर जारी की गईं पर्चियां

चीनी मिल गेट सहित कुल 14 गन्ना क्रय केंद्रों पर किसानों को मुख्य कैलेंडर, अतिरिक्त कैलेंडर तथा खुली खरीद की पर्चियां जारी की जा चुकी हैं। मिल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अंतिम तिथि तक सभी पात्र किसानों को गन्ना आपूर्ति का अवसर दिया जा रहा है।

अधिकारियों से करें संपर्क

किसी भी प्रकार की असुविधा या जानकारी के लिए किसान मुख्य गन्ना अधिकारी अमित चतुर्वेदी एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक संजय श्रीवास्तव से संपर्क कर सकते हैं। मिल प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे 25 फरवरी 2026 तक मिल गेट पर अपना शेष गन्ना आपूर्ति कर दें, ताकि पेराई सत्र का समापन सुव्यवस्थित रूप से किया जा सके और किसी भी किसान को आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े।

बरखेड़ा विधायक की लोकभारती के राष्ट्रीय पदाधिकारियों से आत्मीय भेंट

संगठनात्मक विषयों और राष्ट्र निर्माण के मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

पीलीभीत। 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) से जुड़े संगठन लोकभारती के वरिष्ठ पदाधिकारियों से आत्मीय एवं औपचारिक भेंट हुई। इस दौरान लोकभारती के आदरणीय राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेन्द्र सिंह तथा राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोपाल उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें संगठनात्मक सुदृढ़ता, सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विविध विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सामाजिक समरसता और जनजागरण पर विशेष बल

भेंट के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों तक सकारात्मक विचारधारा और रचनात्मक कार्यों को पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षा, संस्कार, ग्राम विकास, युवा सहभागिता और जनजागरण अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी मंथन हुआ। स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने कहा कि संगठन और समाज के बीच समन्वय ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे सेवा कार्यों, जनसंपर्क अभियानों और सामाजिक पहलों की जानकारी भी साझा की।

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्रहित के कार्यों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, सामाजिक एकता और सेवा गतिविधियों के विस्तार पर भी सहमति बनी। इस आत्मीय मुलाकात को संगठनात्मक समन्वय और सामाजिक सक्रियता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में इस भेंट को लेकर उत्साह देखा गया और इसे समाज व राष्ट्र के व्यापक हित में सकारात्मक पहल बताया गया।

गुमशुदा बच्चों की तलाश में चलाया 'ऑपरेशन खोज', दुकानदारों और राहगीरों से की पूछताछ

ललितपुर। जनपद स्तर पर चलाए जा रहे 15 दिवसीय विशेष अभियान आपरेशन खोज के तहत गुमशुदा बच्चो की तलाश व खोज अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक जनपद ललितपुर के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक/ नोडल अधिकारी कालू सिंह के पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिग जनपद ललितपुर थाना प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर थाना ए0एच0टी0, म0का0 कल्पना बाजपेयी द्वारा चौराहों, राजकीय सम्प्रेक्षण ग्रह ललितपुर, वन स्टाप सेन्टर जिला चिकित्सालय ललितपुर, ललितपुर शहर क्षेत्र में गुमशुदा बच्चो की तलाश व खोज के सम्बन्ध में व्यापक रुप से अभियान चलाया गया तथा जानकारी का आदान प्रदान किया गया।

कोविड-19 या अन्य कारणों से निराश्रित हुए बच्चों के भरण-पोषण व शिक्षा की जिम्मेदारी उठायेगी सरकार : जिलाधिकारी

उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का लाभ लेने हेतु ऑनलाइन करें आवेदन, हर माह मिलेगी 2500 रु0 की आर्थिक सहायता

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने जनपदवासियों को अवगत कराया है कि सरकार, निराश्रित महिलाओं व बच्चों के पुनर्वास एवं संरक्षण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है, जिसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें से मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एक प्रमुख योजना है, जिससे प्रदेश के हजारों बच्चों को आर्थिक बल मिल रहा है और उनका पालन पोषण सहित उनकी शिक्षा में अब कोई भी परिस्थिति बाधा नहीं बन रही है और वे अपने भविष्य को खुद बना रहे हैं।

वर्तमान में जनपद के कुल 1163 बच्चों को इस योजना से लाभान्वित किया गया है ।जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे निराश्रित बच्चे जिन्होंने कोविड-19 के दौरान अपने माता-पिता दोनो को अथवा माता व पिता में से किसी एक को खो दिया है, अथवा 18 से 23 वर्ष के ऐसे किशोर जिन्होंने कोविड या अन्य कारणों से अपने माता-पिता दोनो को अथवा माता व पिता में से किसी एक को खो दिया है, या जेल में निरुद्ध बंदियों के बच्चों की देखरेख, शिक्षा व पालन पोषण हेतु उन्हें आर्थिक मदद उपलब्ध कराने के लिए उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) संचालित है. इस योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन पोर्टल http://mbsyup.in/ पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने किया जनपद का दौरा

वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर बुजुर्गों से किया संवाद, व्यवस्थाओं के प्रति जताई संतुष्टि

ललितपुर। मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री असीम अरुण ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जनपद ललितुपर का भ्रमण किया, यहां उन्होंने सर्वप्रथम रामनगर स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर बुजुर्गों की समस्याएं सुनीं। तदोपरान्त पार्टी कार्यालय पहुंचकर जनप्रतिनिधिगणों व कार्यकर्ताओं से वार्ता की।

इस अवसर पर सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिलाध्यक्ष भाजपा हरिश्चन्द्र रावत, प्रतिनिधि राज्यमंत्री श्रम एवं सेवायोजन उ0प्र0 चन्द्रशेखर पंथ जनपद के अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों एवं मुख्य विकास अधिकारी, उपनिदेशक महोदया, समाज कल्याण, झांसी मण्डल, जिला समाज कल्याण अधिकारी ललितपुर उपस्थित रहें।

राज्यमंत्री असीम अरुण ने महरौनी के पचौड़ा ग्राम में आयोजित घुमंतू समाज आभार सम्मेलन में पहुंचकर कहा कि घुमंतू समाज को विकास से जोड़ने के लिए वर्तमान सरकार बड़े निर्णय ले रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'घुमंतू विकास मिशन' पर सतत् गति से कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न विभाग मिलकर ऐसे परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ेंगे का काम कर रहे हैं, जो किसी कारणवश विकास की दृष्टि से पीछे रह गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तीन प्रमुख दस्तावेज आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और जाति प्रमाण पत्र आवश्यक हैं। इन दस्तावेजों के अभाव में कई परिवार योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। इसलिए जिले स्तर पर भी ऐसे मजरों को चिन्हित किया जा रहा है जो सरकारी योजनाओं से वंचित हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि ललितपुर में कई छोटे समूह अनुसूचित सूची में शामिल होने से छूट गए हैं। उन्होंने नाथ समाज और बुनकर समाज का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे समाजों को पुनः सूचीबद्ध करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना पूरी होने के बाद प्रत्येक जाति के उचित प्रतिनिधित्व के आधार पर सामाजिक न्याय की नई पहल की जाएगी, ताकि सूचीबद्ध वर्गों के भीतर भी जो लोग वंचित हैं, उन्हें उनका अधिकार मिल सके। राज्यमंत्री ने वृद्धाश्रम के निरीक्षण के दौरान यहां निवासरत वृद्धजनों को माल्यार्पण व फल वितरण करके आभार प्रकट किया, साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृद्धाश्रम में कोई भी वृद्ध, वृद्धावस्था पेंशन से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि समय-समय पर कैम्प लगाकर समस्त वृद्धजनों को आँखों व अन्य बीमारियों का इलाज कराया जाए।

संक्षिप्त समाचार

कैलिफोर्निया हिमस्खलन में नौ स्कीयरों के शव बरामद

सिएरा, एजेंसी। कैलिफोर्निया की सिएरा नेवादा पर्वतमाला में आए भीषण हिमस्खलन के बाद बचाव दलों ने नौ बैककंट्री स्कीयरों के शव बरामद कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, हादसा लेक ताहो के पास कैसल पीक क्षेत्र में हुआ था। नेवादा काउंटी शेरिफ शैनन मून ने बताया कि कई एजेंसियों और 42 स्वयंसेवकों की मदद से अभियान पूरा किया गया। मृतकों में ब्लैकबर्ज माउंटेन कंपनी के तीन गाइड, एंड्रयू अलिसांद्राटोस (34), निकोल चू (42) और माइकल हेनरी (30) शामिल हैं।

रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश, 11 ड्रोन मारे

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को पर रविवार को ड्रोन हमले की कोशिश की गई। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने एक घंटे के भीतर 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इसके बाद सुरक्षा कारणों से मॉस्को के चारों अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए। रूसी सिविल एविएशन एजेंसी ने बताया कि डोमोडेदोवो, व्नुकोवो, झुकोव्स्की और शेरेमेत्येवो एयरपोर्ट अस्थायी तौर पर बंद किए गए हैं। अगली सूचना तक उड़ानों की आवाजाही रोकी गई है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि एयर डिफेंस ने मॉस्को की ओर बढ़ रहे एक और ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। इसके साथ ही गिराए गए ड्रोन की कुल संख्या 11 हो गई। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लगभग चार साल पूरे होने वाले हैं। रूस का आरोप है कि यूक्रेन उसके विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर राजधानी मॉस्को, पर ड्रोन हमले करता है। वहीं रूस भी यूक्रेन पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है।

जापान के सम्राट ने 3/11 आपदा पीड़ितों की पीड़ा पर जताई चिंता

टोक्यो, एजेंसी। जापान के सम्राट नारुहितो ने अपने 66वें जन्मदिन के अवसर पर 2011 के भूकंप, सुनामी और परमाणु दुर्घटना के पीड़ितों के जख्म अब तक नहीं भरने पर चिंता व्यक्त की। 11 मार्च की बरसी से कुछ सप्ताह पहले जारी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण की प्रक्रिया अभी अधूरी है। सम्राट नरुहितो ने पिछले सप्ताह दिए गए अपने संदेश में कहा, 'बुनियादी ढांचे की बहाली में प्रगति हुई है, लेकिन आजीविका और समुदायों के पुनर्निर्माण पर अभी भी काम किए जाने की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया और जिनकी जीवन परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं, उनके बारे में सोचकर मुझे लगता है कि उनके घाव अब तक नहीं भरे हैं। समय बीतने के बावजूद वे दर्द आज भी कायम हैं।' जन्मदिन के अवसर पर सम्राट नरुहितो, महारानी मासाको, उनकी पुत्री राजकुमारी अइको और छोटे भाई क्राउन प्रिंस अकिशिनो के साथ शाही महल की बालकनी में आए और हाथ हिलाकर शुभकामनाएं देने पहुंचे नागरिकों का अभिवादन किया। लोग 'राइजिंग सन' के छोटे-छोटे झंडे लहराकर उनका स्वागत कर रहे थे। वर्ष 2011 की विनाशकारी आपदा में आए भीषण भूकंप और सुनामी से लगभग 20 हजार लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे। इस आपदा के कारण फुकुशिमा दाइची परमाणु प्लांट में परमाणु रिएक्टर पिघलने (मेल्टडाउन) की घटना भी हुई थी। रेडिएशन के कारण खाली कराए गए अधिकांश इलाकों को दोबारा खोल दिया गया है, लेकिन रोजगार और सामुदायिक ढांचे की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग अब तक वापस नहीं लौटे हैं।

नेपाल में तय समय पर ही होंगे आम चुनाव, मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले-चुनाव रोकने की खबर गलत

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) रामप्रसाद भंडारी ने कहा कि आगामी चुनाव देश में सुशासन स्थापित करने और संविधान की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं। किसी भी स्थिति में मतदान प्रक्रिया नहीं रुकेगी।काठमांडो में रविवार को भंडारी ने कहा कि चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद तरह-तरह की शंकाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं लेकिन इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में चुनाव का कोई विकल्प नहीं होता। कुछ असंतुष्ट तत्व चुनाव टलने की आशंका फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन नेपाली जनता ऐसे भ्रम का हिस्सा नहीं बनेगी। भंडारी ने कहा कि पांच मार्च को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा। उन्होंने कहा कि सुशासन की अपेक्षा रखने वाले नागरिकों को गुमराह कर अस्थिरता पैदा करने के प्रयास सफल नहीं होंगे। मीडिया से अपील करते हुए भंडारी ने मतदान से पहले मत सर्वेक्षण नहीं करने का आग्रह किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव पूर्व ऐसे सर्वे मतदाताओं की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं और इससे चुनाव की निष्पक्षता पर असर पड़ता है।नेपाल में मधेश प्रांत की गौर नगरपालिका में सांप्रदायिक झड़पों के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालात को देखते हुए कर्फ्यू बरकरार है।

नेपाल-बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत

25 घायल, मरने वालों में 2 विदेशी नागरिक, कंट्रोल खोने से हादसा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं।

आर्म्ड पुलिस फोर्स के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

बस पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है।

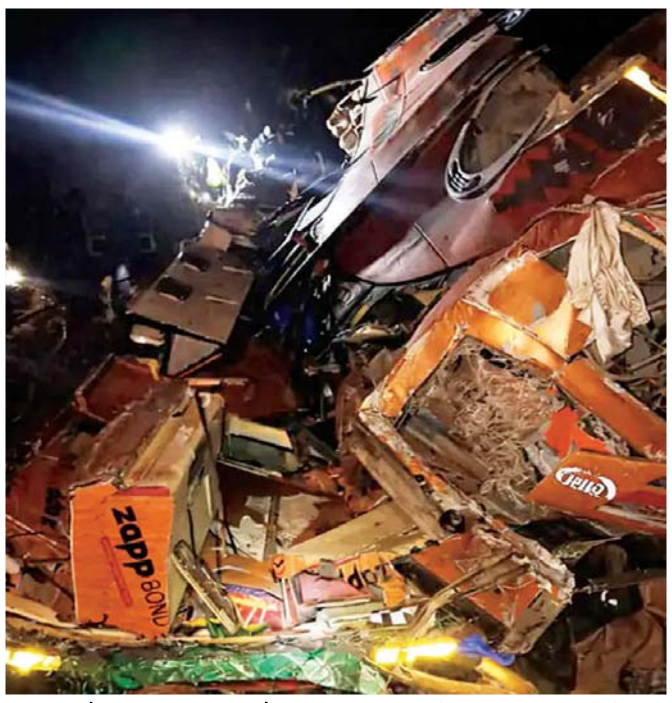

हादसे के समय बस में 44 लोग सवार थे

मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री सवार थे। घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है। यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया।

बारातियों से भरी बस खाई में गिरी थी

इससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे।

बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था। वहीं, साल 2024 में लैंडस्लाइड की वजह से दो बसें त्रिशूली नदी में बह गई थीं। दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई।

भगवान शिव के त्रिशूल से जुड़ी है त्रिशूली नही

त्रिशूली नदी नका नाम भगवान शिव के त्रिशूल से आया है। इसके पीछे एक प्रचलित कथा है कि गोसाइकुंडा (एक पवित्र जगह) में शिव जी ने अपना त्रिशूल जमीन में गाड़ा, जिससे तीन झरने निकले और ये नदी बनी। ये तिब्बत (चीन) के ग्यिरोंग काउंटी में शुरू होती है। वहाँ दो नदियाँ - क्यिरोंग त्सांगपो और लेंदे खोला से मिलकर त्रिशूली बनाती हैं। नेपाल में ये रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन जैसे जिलों से गुजरती है।

पृथ्वी हाईवे के साथ-साथ बहती है, जो काठमांडू और पोखरा को जोड़ता है। आखिर में ये नारायणी नदी (गंडकी नदी) में मिल जाती है। इसकी लंबाई लगभग 200 किलोमीटर है। पुराने समय में ये काठमांडू वैली और तिब्बत के बीच व्यापार का मुख्य रास्ता था। ये नदी स्थानीय लोगों के लिए पानी, सिंचाई, मछली पकड़ने और संस्कृति का हिस्सा है। पर्यटन (राफ्टिंग, ट्रेकिंग) से भी अर्थव्यवस्था को फायदा होता है।

नदी के किनारे कई रिजॉर्ट्स, होटल और गांव हैं, जहां बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। ये इलाका बौद्ध और हिंदू संस्कृति का मिश्रण है। हालांकि, मानसून में तेज बहाव, लैंडस्लाइड के कारण और यहां कई दुखद घटनाएँ हुई हैं।

मुझे अंधेरे में रखा; मुहम्मद यूनुस पर फायर हुए बांग्लादेश के राष्ट्रपति, हालात बदलते ही बदले जज्बात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म होते ही और आम चुनाव के बाद नई सरकार गठित होने ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के जज्बात भी बदल गए हैं। इतने दिनों से मोहम्मद यूनुस की अगुआई में चल रही बाग्लादेश की अंतरिम सरकार पर उन्होंने एक भी सवाल नहीं उठाया। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होते रहे और भारत के साथ रिश्ते खराब करने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई। अब शहाबुद्दीन कह रहे हैं कि मोहम्मद यूनुस ने उन्हें अंधेरे में रखा था।

राष्ट्रपति को अलग-थलग करने में जुटे थे यूनुस

बांग्लादेश की मीडिया के मुताबिक राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस ने ना तो कभी संस्थानों के बीच समन्वय पर ध्यान दिया और ना ही वह किसी भी फैसले को लेकर उन्हें कोई जानकारी देते थे। राष्ट्रपति ने कहा कि यहां तक कि विदेश दौरे की भी जानकारी उन्हें नहीं होती थी। विदेश नीति से संबंधित कोई भी सूचना राष्ट्रपति तक पहुंचती ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्हें अलग-थलग करने के लिए सारी राजनीतिक हथकंडे अपनाए जा रहे थे।

विदेश दौरे पर नहीं लेते थे सलाह

शहाबुद्दीन ने कहा कि सरकार को जरूरी फैसले राष्ट्रपति की सलाह से करने चाहिए लेकिन मोहम्मद यूनुस खुद ही सारे फैसले कर लेते थे। संविधान यह भी कहता है कि विदेश दौरे पर जाते समय राष्ट्रपति को जानकारी देनी चाहिए और लौटने के बाद इसके परिणामों पर चर्चा होनी चाहिए। कार्यकाल के दौरान वह 14 से 15 बार विदेश गए लेकिन एक बार भी उनकी सहमति नहीं ली गई।

राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने कहा, अगर किसी अन्य देश के साथ कोई समझौता होता है तो इसकी जानकारी राष्ट्रपति को होनी चाहिए लेकिन मुझे कुछ पता ही नहीं चलता था। ना तो कभी मौखिक और ना ही लिखित रूप में कोई सूचना दी गई। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार बनाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इसके बाद भी वह मुझे नजरअंदाज ही करते थे। वह मुझसे मिलने कभी आए ही नहीं, ऊपर से मुझे अंधेरे में रखते थे।

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, नागरिकों से घर में रहने की सलाह

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है।

एल मेंचो की मौत से भड़की हिंसा : यह एडवाइजरी उस सैन्य कार्रवाई के बाद जारी की गई है, जिसमें मैक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस उर्फ एल मेंचो को मार गिराया गया। वे जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (ष्ट्छ्हत्र) का प्रमुख थे। मेंचो मैक्सिको व अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल थे। मैक्सिकन सेना ने पश्चिमी राज्य जलिस्को में एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें ढेर किया।

अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह : भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जलिस्को राज्य (प्यूर्टो वल्लार्ता, चापाला और ग्वाडलाहारा), तामाउलिपास राज्य (रेनोसा सहित अन्य नगरपालिकाएं), मिचोआकान, गुएरेरो और नुएवो लियोन के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान, सड़क अवरोध और आपराधिक गतिविधियां जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों को कानून-व्यवस्था से जुड़े अभियानों के आसपास के इलाकों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही भारतीयों से अपने परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी नियमित रूप से देते रहने की सलाह दी गई है।

बेटी नहीं, पार्टी के शीर्ष पद पर चुने गए किम जोंग उन

प्योंगयाग, एजेंसी। तमाम अटकलों के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के शीर्ष पद पर फिर से निर्वाचित किया गया है। बीते कुछ समय से चर्चा चल रही थी कि किम जोंग उन अपनी बेटी को पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। हालांकि ऐसा नहीं हुआ है। किम जोंग उन ने एक बार फिर अमेरिका को आंख दिखाते हुए देश में परमाणु हथियारों को और मजबूत करने का ऐलान किया है। गुरुवार से शुरू हुई पार्टी कांग्रेस में किम अगले पांच वर्षों के लिए अपने प्रमुख राजनीतिक और सैन्य लक्ष्यों की रूपरेखा पेश कर सकते हैं। संकेत मिल रहे हैं कि वह परमाणु कार्यक्रम को और तेज करने पर जोर देंगे। उत्तर कोरिया के पास पहले से ही ऐसी मिसाइल मौजूद हैं जो एशिया में अमेरिकी सहयोगियों और अमेरिकी मुख्य भूमि तक को निशाना बना सकती हैं।

हर पांच वर्ष में होते हैं चुनाव : विश्लेषकों का मानना है कि किम पारंपरिक सैन्य बलों को मजबूत करने और उन्हें परमाणु क्षमताओं के साथ एकीकृत करने के नए लक्ष्य घोषित कर सकते हैं। साथ ही वह चीन के साथ व्यापार में सुधार और रूस को हथियार निर्यात से मिली आर्थिक बढ़त के बीच ''आत्मनिर्भरता'' अभियान पर भी पुनः जोर दे सकते हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि हजारों प्रतिनिधियों की ''एकमत इच्छा'' से किम को पार्टी का महासचिव चुना गया। वर्ष 2016 से हर पांच वर्ष में आयोजित इस कांग्रेस में शीर्ष नेता का चुनाव होता है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया से तनाव : जानकारों का अनुमान है कि किम दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कड़े रुख को और संस्थागत रूप दे सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ 2019 में वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया का अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ कूटनीतिक संवाद ठप है। किम ने दक्षिण कोरिया को 2024 में स्थायी दुश्मन घोषित कर संबंधों को और तनावपूर्ण बना दिया था।

रूस से करीबी : किम जोंग उन यूक्रेन युद्ध में रूस का खुलकर साथ दे रहे हैं। उन ने हजारों सैनिकों को भी रूस की तरफ से युद्ध में उतारा है। वह रूस की यात्रा भी कर चुके हैं। जानकारों का कहना है कि रूस और उत्तर कोरिया मिलकर अपनी सेना को मजबूत करने और परमाणु हथियारों को बनाने पर जोर दे रहे हैं।

अटकलें थीं कि किम जोंग उन अपनी 16 साल की बेटी को पार्टी का महासचिव बना सकते हैं। बीते दिनों वह किम जोंग उनके साथ नजर आई थीं। हालांकि किम की बेटी किम जू ए अभी नाबालिग हैं। जानकारी के मुताबिक किम जू एक, किम जोंग उन की पत्नी री सोल जू के तीन बच्चों में तीसरे नंबर पर हैं। वैसे तो किम जोंग उन अपने परिवार को सार्वजनिक रूप से सामने नहीं लाते हैं लकिन उनकी बेटी कई बार उनके साथ दिख चुकी है। फरवरी में उनकी तस्वीरें डाक टिकट पर भी छपी थीं।

परमाणु कार्यक्रम पर जोर : विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी परमाणु और मिसाइल नीति को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे मिसाइल विकसित कर चुका है जो एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों और अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकते हैं। पार्टी ने दावा किया कि परमाणु ताकत ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी, अमेरिका से तनाव के बीच बिगड़े हालात

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दो बड़े शहरों तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालय परिसरों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्र समूहों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार कम से कम सात विश्वविद्यालयों में छात्र इकट्ठा हुए और नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। यह नया विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए। रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई।

पहले भी हुआ था बड़ा दमन : जनवरी में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को सुरक्षा बलों ने सख्ती से दबा दिया था। अधिकार समूहों का दावा है कि हजारों लोग मारे गए और करीब 40 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। ईरानी सरकार ने कहा था कि 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिनके लिए उसने इस्राइल और अमेरिका समर्थित तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उस समय प्रदर्शनकारियों ने सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के शासन को समाप्त करने की मांग की थी।

सरकार की चेतावनी : हालिया प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार ने औपचारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सरकारी मीडिया ने परिसरों में तनाव की खबरें दी हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के एक अधिकारी हुसैन गोलदानसाज ने छात्रों को 'उग्र नारे' और हिंसा से दूर रहने की चेतावनी दी। सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई है।

अमेरिका से बढ़ता तनाव : यह विरोध उस समय हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत जारी है। ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों की वार्ता स्विट्जरलैंड में फिर शुरू होने वाली है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि समाधान संभव है, लेकिन ईरान यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं छोड़ेगा। क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति भी बढ़ाई गई है।

ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी, मौत

गन और फ्यूल केन लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजॉर्ट में घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार आधी रात 1:30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नॉर्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं।

सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजॉर्ट के नॉर्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शॉटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया। युवक ने केन तो रख दिया, लेकिन शॉटगन को गोली चलाने की पोजिशन में उठा लिया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने गोली चलाई और वह मारा गया। जांच में पता चला कि उसके परिवार ने कुछ दिन पहले उसे लापता होने की रिपोर्ट की थी। वह नॉर्थ कैरोलीना से साउथ की ओर आया था और रास्ते में शॉटगन खरीदा। उसकी कार में गन का डिब्बा मिला है। ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था।

20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।

अमेरिका में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की सुरक्षा का जिम्मा यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के पास होता है। यह एक फेडरल एजेंसी है, जो होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के तहत काम करती है। सीक्रेट सर्विस की शुरुआत 1865 में हुई थी।

मेक्सिको में सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा

ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू, समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (ष्ट्छ्हत्र) का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुईं: मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था। 2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं।

अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

मेक्सिको पर एक्शन लेने को दबाव बना रहे थे ट्रम्प : जालिस्को कार्टेल कार्टेल 2009 में बना था। एल मेंचो की लीडरशिप में यह मेक्सिको का सबसे बड़ा ड्रग नेटवर्क बन गया था। यह कोकीन, मेथामफेटामिन और हाल के वर्षों में फेंटानिल जैसी सिंथेटिक ड्रग्स अमेरिका भेजता था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मेंचों की मौत से मेक्सिको और अमेरिका के रिश्तों में सुधार हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प मेक्सिको पर दबाव बना रहे थे कि वह कार्टेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो वह सैन्य कार्रवाई पर भी विचार कर सकते हैं। इसी साल फरवरी में ट्रम्प एडमिनिस्ट्रेशन ने कार्टेल को विदेशी टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन घोषित किया।मेक्सिको सरकार ने साफ कहा है कि अमेरिकी हमले से देश की संप्रभुता का उल्लंघन होगा, लेकिन खुफिया जानकारी के स्तर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है।

टी20 विश्व कप के सुपर-8 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने उतरेगी श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम बुधवार को अपने दूसरे सुपर-8 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। श्रीलंकाई टीम को अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर वह न्यूजीलैंड से हारती है तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। मेजबान श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाज अपने पहले मैच में असफल रहे थे, ऐसे में उसे अगर कीवी टीम से जीतना है तो स्पिनरों के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई 147 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए थे। श्रीलंका की पिचें बल्लेबाजी के लिए कठिन मानी जाती हैं। इसके अलावा इन मैदानों पर बड़े शॉट खेलना भी कठिन होता है।

सुपर आठ के पहले मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाते दिखे थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, 'यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं पर जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो कहना आसान है पर रन बनान कठिन है।'

पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान का मुकाबला बारिश से नहीं हो पाया था। जिससे दोनो को ही एक-एक अंक मिला है। कीवी टीम के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं जो श्रीलंका के बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे।

दोनों टीम सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की जोड़ी ने लीग चरण के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी की है। इसके अलावा रचिन रविंद्र भी कनाडा के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए कीवी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, ईशान मलिंगा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डैरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, इश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

अभिषेक, तिलक और रिंकू पर लटक रही तलवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच टेन डोइशे और सितांशु का कहना है सुपर-8 के अगले मैचों के लिए टीम की फिर से समीक्षा करते हुए बदलाव किये जायंगे। ऐसे में तय है कि अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह की जगह खतरे में हैं। इन तीनो में से किसी एक का बाहर जाना तय है। ये तीनो ही अब तक इस टूर्नामेंट में असफल रहे हैं। इसके अलावा टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाजों को उतारे जाने की रणनीति पर भी फिर विचार करेगा। दक्षिण अफ्रीका से पहले ही मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद से ही उसके लिए अब बचे हुए दोनो मैच बड़े अंतर से जीतना जरुरी है। इसलिए फार्म से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को बनाये रखने का खतरा नहीं उठाया जा सकता है। अभिषेक अब तक चार मैचों में 15 रन जबकि तिलक वर्मा पांच मैचों में 107 रन ही बना पाये हैं। इसके अलावा रिंकू भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। वह 29 गेंदों में 82.75 की स्ट्राइक रेट से केवल 24 रन ही बना पाये हैं।

कोटक ने कहा, अगर मुख्य कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि हमें कुछ बदलाव करने हैं तो हम करेंगे। अब इस पर विचार हो रहा है कि अगर हमें बदलाव करना है तो वह क्या होगा और कैसे होगा। अब हम ऐसे स्थान पर पहुंच गए हैं कि हमें कुछ भी बादलाव करते समय कई बातों का ध्यान रखना होगा। वहीं डोइशे ने माना है कि टीम में बैकअप में विशेषज्ञ बल्लेबाजों की की है। उन्होंने कहा, या तो आप उन्हीं खिलाड़ियों को चुनते हैं जो आपको लगता है कि पिछले डेढ साल में अच्छा खेल रहे हैं, भले ही अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। या फिर बदलाव करके संजू सैमसन को लाते हैं जो शानदार खिलाड़ी है और उनके आने से शीर्षक्रम में दायें और बाएं का संयोजन लाभकारी रहेगा। उन्होंने कहा, अगले दो अहम मैचों से पहले सैमसन को शामिल करने के बारे में विचार होगा। साथ ही कहा कि अभिषेक और तिलक का फॉर्म चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, ये दोनो ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाये हैं। वहीं अभिषेक को सलाह दिये जाने को लेकर कोटक ने कहा, बल्लेबाजी कोच होने के कारण मेरा मानना है कि उसे जरूरत से ज्यादा सलाह देने की जरुरत नहीं है। उसके दिमाग को ठीक से काम करने दें। लगातार सलाह से मानसिक दबाव पड़ता है जिससे बल्लेबाज का मनोबल गिरता है। उसे अपने अनुसार खेलने देना ही बेहतर रहेगा

तिलक अंतिम ग्यारह में शामिल करने के लायक नहीं : श्रीकांत

–सैमसन को मिले अवसर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि तिलक वर्मा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रहे। इसलिए अंतिम ग्यारह में उनकी जगह नहीं बनती है। श्रीकांत के अनुसार अभी के समय में तिलक को टीम में रखना फायदेमंद नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भी वह केवल एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इससे अन्य बल्लेबाजों पर दबाव आ गया था। उन्हें ऐसे समय पर अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। , क्योंकि ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

अब तक विश्वकप के पांच मैचों में तिलक 118.88 के स्ट्राइक रेट से 107 रन बना पाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक के आउट होने के तरीके से श्रीकांत नाराज हैं। उनका कहना है कि अब सुपर-8 के बचे हुए मैचों में संजू सैमसन को उनकी जगह शामिली किया जाना चाहिये। श्रीकांत ने कहा, ÷अगर सैमसन को 11 में आना है, तो तिलक के लिए कोई जगह नहीं है। कई अनय लोग भी तिलक के बल्लेबाजी के तरीके से हैरान हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने जो शॉट खेला, उसके लिए उन्हें 11 से बाहर किए जाने की पूरी संभावना है। यह काफी खराब शॉट था और ऐसा शॉट खेलने के बाद वह क्रीज पर टिके रहने के लायक नहीं थे।÷

श्रीकांत ने कहा कि विराट कोहली के संन्यास के बाद बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मुश्किल में आ जाती है।

ब्रिस्बेन वनडे में टीम इंडिया की करारी हार, स्मृति मंधाना का अर्धशतक गया बेकार

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए वनडे द्विपक्षीय श्रृंखला के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को छह विकेट से हरा दिया। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज में 1-2 से हार के बाद इस मैच में उतरी थी। उन्होंने मेहमान टीम को 214 रनों पर रोककर 215 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान हीली ने फोएबे लिचफील्ड (32 गेंदों में 32 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 55 रनों की साझेदारी की। श्री चरानी ने 11वें ओवर में अपनी टीम को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने इसी ओवर में जॉर्जिया वोल को भी आउट किया। आउट होने वाली कप्तान हीली ने 70 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्होंने बेथ मूनी (79 गेंदों में 76 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। एनाबेल सदरलैंड (44 गेंदों पर 48 रन नाबाद) और गार्डनर (4 गेंदों पर 5 रन नाबाद) नाबाद रहीं और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच जिताने वाली इस शानदार पारी के लिए मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, भारतीय महिला टीम ने पहले ही ओवर में अपना पहला विकेट खो दिया जब मेगन शट ने विकेट के सामने प्रतिका रावल को कैच दे दिया। शेफाली वर्मा एक रन पीछे बल्लेबाजी करने आईं और लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने 17 गेंदों में सिर्फ चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। डार्सी ब्राउन ने उन्हें आठवें ओवर में कैच आउट किया। जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गईं। पावरप्ले खत्म होने के तुरंत बाद एशले गार्डनर ने उन्हें आउट कर दिया। बेथ मूनी ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच पकड़ा।

स्मृति मंधाना ने 20वें ओवर में ताहलिया मैकग्राथ की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मैकग्राथ ने अपने अगले ओवर में मंधाना को 58 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली पारी में सात चौके लगाए। दीप्ति शर्मा क्रीज पर आईं और जल्द ही सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद ऋचा घोष कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ शामिल हुईं और दोनों ने छठे विकेट के लिए 37 रन जोड़े।

आईपीएल की तरह बदलाव वाली नीति विश्वकप में नहीं चलती : अश्विन

नई दिल्ली ।भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने टीम प्रबंधन की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार टी20 विश्वकप जीतने के लिए टीम प्रबंधन को आईपीएल वाली बदलाव की सोच से बाहर आना होगा। अश्विन ने कहा कि प्रबंधन ने जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उपकप्तान अक्षर पटेल को बाहर बिठाया वह समझ से परे हैं। साथ ही कहा कि ये सब आईपीएल में चलता पर विश्वकप में नहीं। अश्विन ने कहा कि इस प्रकार के बदलाव आईपील में इसलिए चलते हैं कयोंकि टीम को 14 गेम खेलने होते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंट में बदलाव कम से कम होने चाहिये और जितना आज टीम को स्थर रखते हैं उतना ही लाभ होता है। अश्विन ने साथ ही कहा, आपको नहीं भूलना चाहिए कि अक्षर ने पिछले विश्व कप में किस प्रकार का प्रदर्शन किय था।

धोनी ऐसी बाइक चलाते दिखे जो भारत में लांच ही नहीं हुई थी

रांची ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बाइक ?स के काफी शौकीन हैं। रांची की सड़कों पर भी वह कई बार बाइक चलाते दिखते हैं। उनके पास एक से बढ़कर एक बाइकें हैं। जिसमें डुकाटी, कावासाकी, हार्ले-डेविडसन, यामाहा के अलावा कई विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स भी हैं। वहीं अब धोनी एक वीडियो में ऐसी बाइक चलाते दिखें हैं जो भारत में कभी लांच ही नहीं हुई थी। ये यामहा की एसआर400 है। यह पुराने जमाने की ऐसी बाइक है जो भारत में कुछ ही लोगों के पास हैं। ये क्लासिक रेट्रो-स्टाइल मोटरसाइकिल साल 1970 की यूनिवर्सल जापानी मोटरसाइकिल्स से प्रेरित होकर 1978 में बनायी गयी थी पर 2021 में इसे बनाना बंद कर दिया गया। इसका कारण है कि यह पुरानी टेक्नोलॉजी वाली बाइक थी और प्रदूषण के नये मानकों पर खरी नहीं उतरी। यह बाइक कस्टमाइज़ेशन के कारण काफी लोकप्रिय हुई है। इससे भारत में कभी भी आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया गया केवल ये आयात की गयी है। ये एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों की दुनिया में एक 'टाइम मशीन' की तरह है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 399सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन है। इस बाइक की ट्यूनिंग इस तरह की गई है कि यह कम रफ्तार पर भी काफी अच्छी चलती है।इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट का विकल्प भी नहीं है और किक से स?टार्ट होती है। ये ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी काफी अच्छे से चलती है। इसमें सिग्नेचर टीयरड्रॉप फ्यूल टैंक, गोल हेडलाइट और चमकता हुआ क्रोम एग्जॉस्ट दिया गया है। ये बाइक 130-140 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक जा सकती है।

गंभीर की पॉलिटिक्स ने टीम इंडिया की इमेज को नुकसान पहुंचाया, पूर्व पाक बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम पर सवाल उठने लगे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज अहमद शहजाद ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर पर तीखी टिप्पणी की है। शहजाद का दावा है कि गंभीर की राजनीतिक पृष्ठभूमि का असर टीम के माहौल पर पड़ा है। साथ ही उन्होंने चयन फैसलों और संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

सुपर 8 हार के बाद बढ़ा दबाव

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली बड़ी हार ने भारतीय खेमे में चिंता बढ़ा दी है। इस हार के बाद सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो सकती है, जिससे कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजमेंट पर दबाव साफ दिख रहा है। कुछ चयन फैसलों ने भी बहस को जन्म दिया। अहम मुकाबले में अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका देने पर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

पॉलिटिक्स टीम में भी आ गई : शहजाद

अहमद शहजाद ने कहा कि 2019 से 2024 के बीच राजनीति में सक्रिय रहने के दौरान गंभीर का दृष्टिकोण बदल गया। उनका इशारा उस समय की ओर था जब गंभीर सांसद रहे। शहजाद का मानना है कि राजनीति का असर अब टीम प्रबंधन में भी दिखाई दे रहा है। उनके मुताबिक, किसी भी खेल में सफलता के लिए पूर्ण फोकस जरूरी होता है, और अगर ध्यान बंटे तो उसका असर टीम के माहौल पर पड़ सकता है।

कुलदीप यादव को लेकर उठे सवाल

शहजाद ने यह भी कहा कि टीम अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कुलदीप यादव का जिक्र किया, जिन्हें टूर्नामेंट में सीमित मौके मिले हैं। उनका कहना था कि कुलदीप जैसे मैच-विनर स्पिनर को लगातार बाहर रखना समझ से परे है। टी20 फॉर्मेट में विविधता और विकेट लेने की क्षमता बेहद अहम होती है, और कुलदीप उस भूमिका को निभा सकते हैं।

कप्तान के साथ विवाद की चर्चा

शहजाद ने एक कथित घटना का भी जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और कुलदीप के बीच कहासुनी की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में दोनों खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी अनबन से इनकार किया। फिर भी शहजाद का मानना है कि कुलदीप को बाहर रखने के पीछे कोई और कारण हो सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

चयन और रणनीति पर बहस

टीम इंडिया के चयन और रणनीति को लेकर चर्चा तेज है। आलोचकों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट में टीम कॉम्बिनेशन का संतुलन बेहद अहम होता है। स्पिन विकल्पों और ऑलराउंडर्स के बीच सही तालमेल बनाना जीत की कुंजी साबित हो सकता है। इसके बावजूद यह भी तथ्य है कि गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हालिया बाइलेटरल सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एफआई प्रो लीग में स्पेन ने भारतीय हॉकी टीम को हराया

होबार्ट ।स्पेन ने एफआई एच प्रो लीग के ऑस्ट्रेलियाई चरण में भारतीय हॉकी टीम को शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। दोनो टीमों के बीच तय समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा पर इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना पर गोल नहीं कर पायीं। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह के एक पास पर मनिंदर सिंह ने गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने जबरदस्त प्रहार किये पर भारतीय रक्षा पंक्ति और गोलकीपर ने बचाव कर लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये। स्पेन के ब्रूनो फॉन्ट ने अंतिम क्षणों में शानदार गोल दागकर मुकाबले को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं इसके बाद हुए शूटआउट में भारत के अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल नहीं कर पाये जिससे स्पेन ने 4-3 से मुकाबला जीत लिया।

बीसीएल में खेलते नजर आयेंगे धवन

मुम्बई। हाल में आयरलैंड की सोफी शाइन से दूसरी शादी करने वाले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन अब बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते नजर आएंगे। धवन बीसएल के दूसरे सत्र में 'यूपी ब्रिज स्टार्स' की ओर से खेलेंगे। धवन जैसे अनुभवी क्रिकेटर का लाभ टीम के युवाओं को मिलेगा। इससे पहले इसे लीग के पहले सत्र में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। बिग क्रिकेट लीग का आयोजन ग्रेटर नोएडा के खेल परिसर में होगा। ये टूर्नामेंट 11 मार्च से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला 22 मार्च को खेला जाएगा। यूपी ब्रिज स्टार्स प्रबंधन को उम्मीद है कि धवन की कप्तानी में टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज करेगी। उनके रहने से से युवा खिलाड़ियों को भी सीखने का काफी अवसर मिलेगा।बीसएल एक ऐसा टूर्नामेंट हैं जिसमें गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अवसर मिलता है। इस लीग में डॉक्टर, इंजीनियर, दुकानदार, वकील, किसान या किसी भी अन्य पेशे से जुड़ा व्यक्ति खेल सकता है। खास बात ये है कि आम खिलाड़ियों को भी अंतररष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलता है।

जब हम वेस्टइंडीज से खेलेंगे तो नेट रन-रेट जरूर मायने रखेगा : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपट 'पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग ‍ढ्ढ में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया।

पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा, '12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिंपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था।'

पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा, 'सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज़्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के खिलाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉड 'वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है।'

पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग ‍ढ्ढ में वापसी पर कहा, 'मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा, खासकर यह देखते हुए कि भारतीय लेफ्ट-हैंडर ऑफ-स्पिनर के खिलाफ बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। जब आप जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हैं, तो सिकंदर रजा भी पावरप्ले में काम आ सकते हैं। मैं तिलक की जगह संजू सैमसन को नहीं उतारूंगा। हां, संजू सैमसन भी अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। या शायद, भारत बैटिंग ऑर्डर बदलने की कोशिश कर सकता है, फिर सूर्या को नंबर तीन पर बैटिंग करनी होगी।'

बेंगलुरु में खुला अमेज़न का एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस

12 मंजिला, 11 लाख वर्ग फुट का आधुनिक परिसर, एक साथ 7,000 कर्मचारी काम करेंगे

बेंगलुरु। अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज एमेजान ने बेंगलुरु में अपना एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोलने की घोषणा की। नया परिसर 12 मंजिला और 11 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है। यह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 15 किलोमीटर दूर स्थित है और इसमें भारत में 7,000 से अधिक कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल और सहयोगी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। अमेज़न ने भारत में अब तक 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। कर्नाटक के लघु एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस निवेश से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा होंगी, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। नए परिसर को टीम सहयोग, लचीलापन, सीखने और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कर्मचारियों के लिए बास्केटबॉल और पिकलबॉल कोर्ट, एम्फीथिएटर, हरे-भरे लॉन और सामुदायिक बाहरी क्षेत्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कैफेटेरिया दो मंजिलों पर फैला है और इसमें वैश्विक व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला परोसी जाती है। इस परियोजना में जिम्मेदार सामग्री स्रोत, कार्यालय संपत्तियों का पुन= उपयोग और उच्च दक्षता वाली प्रणालियाँ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। यह पहल अमेज़न की दीर्घकालिक सतत विकास रणनीति का हिस्सा है। अमेज़न इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार, बेंगलुरु लंबे समय से कंपनी की तकनीकी और व्यावसायिक टीमों का घर रहा है और आज भी यह नवाचार और प्रतिभा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। नया ऑफिस कंपनी के भारत में निरंतर निवेश और विस्तार का प्रतीक है।

पीएम सूर्य घर योजना 30 लाख घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत फरवरी 2024 से अब तक देशभर में 30 लाख से अधिक घरों की छतों पर सौर ऊर्जा इकाई लगाई जा चुकी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने यह जानकारी दी।

जोशी ने बताया कि जब एक करोड़ घरों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित हो जाएंगे, तो अनुमानित 1,000 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन संभव होगा। इन इकाइयों के 25 साल के जीवनकाल में लगभग 72 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। मंत्री ने कहा कि यह योजना घरेलू बिजली बिल कम करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरित परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्र सरकार का लक्ष्य 2026-27 तक देशभर में 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सौर इकाई स्थापित करना है, जिससे टिकाऊ ऊर्जा और

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

ऐपल ने भारत में पीएलआई योजना के तहत 2.5 लाख से अधिक नौकरियां दी

नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक 19-24 वर्ष की महिलाएं शामिल

नई दिल्ली ।

क्यूपर्टिन मुख्यालय वाली एप्पल इंक ने पिछले पांच वर्षों में भारत में 2,50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। यह तेजी से बढ़ती संख्या मोबाइल-फोन विनिर्माण के लिए 2021 में शुरू हुई उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण संभव हुई। खास बात यह है कि इन नौकरियों में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जिनमें कई की उम्र 19-24 वर्ष है और यह उनका पहला रोजगार अवसर है। आईफोन के दो मुख्य वेंडर, टाटा समूह और फॉक्सकॉन ने मिलकर लगभग 1,40,000 प्रत्यक्ष नौकरियां प्रदान की हैं, जो योजना के तहत प्रतिज्ञात 1,18,290 नौकरियों से अधिक है।

इसके अतिरिक्त 1,10,000 नौकरियां अन्य भारतीय, विदेशी और संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा दी गई हैं, जो मुख्य रूप से एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी हैं और आईफोन से संबंधित उपकरणों का उत्पादन करती हैं। इन कंपनियों का नेटवर्क भारत के उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, झारखंड, तमिलनाडु और कर्नाटक तक फैला हुआ है। ये कंपनियां मुख्य रूप से आईफोन असेंबली प्लांट को उपकरण और पुर्जे उपलब्ध कराती हैं, जबकि कुछ कंपनियां जैसे जाबिल और एक्वस सीधे ऐपल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में योगदान देती हैं। टाटा समूह के तीन आईफोन प्लांट लगभग 72,000 लोगों को रोजगार दे रहे हैं, वहीं फॉक्सकॉन के दो कारखानों में 70,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। पीएलआई योजना के प्रभाव से मोबाइल निर्माण में औसत मासिक वेतन 11,000 से बढ़कर 18,000-20,000 रुपए हो गया। अकेले ऐपल और इसके सहयोगी नेटवर्क में अनुमानित 7,50,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न हुई हैं। भारत का स्मार्टफोन निर्यात 2025 में 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 23 अरब डॉलर रही।

एनएमपी 2.0 का 16.72 लाख करोड़ मुद्रीकरण जुटाने का लक्ष्य

- योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी 2.0) के दूसरे चरण का अनावरण करते हुए वित्त वर्ष 2026 से 2030 के बीच 16.72 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य घोषित किया। इस योजना का उद्देश्य केंद्र सरकार के मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों की उत्पादक संपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से पूंजी जुटाना है। सरकार का कहना है कि इससे नई अवसंरचना परियोजनाओं और पूंजीगत व्यय के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे, बिना राजकोषीय बोझ बढ़ाए।

नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार एनएमपी 2.0 में राजमार्ग, बिजली, बंदरगाह और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। योजना के तहत 2,000 से अधिक संपत्तियों में निजी भागीदारी लाई जाएगी। कुल लक्ष्य का एक-चौथाई से अधिक हिस्सा राजमार्ग क्षेत्र से आने की उम्मीद है, जबकि बंदरगाह, कोयला और खनिज क्षेत्रों से भी महत्वपूर्ण योगदान संभावित है। इस चरण में पहली बार पांच वर्षों के दौरान 5.8 लाख करोड़ रुपये के निजी निवेश का अनुमान जोड़ा गया है। वित्त वर्ष 2026 में 2.49 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, हालांकि वास्तविक प्राप्ति करीब 2 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

योजना में अस्थायी संपत्ति हस्तांतरण, सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी का विनिवेश और नकद प्रवाह का प्रतिभूतिकरण जैसे उपाय शामिल हैं। रेलवे को 2.62 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें सात सूचीबद्ध रेलवे पीएसयू में सरकारी हिस्सेदारी घटाकर 83,700 करोड़ रुपये जुटाने का प्रावधान है। सरकार को उम्मीद है कि एनएमपी 2.0 से बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिलेगी।

बायजूज़ अरबों डॉलर के वैल्यूएशन से कानूनी और वित्तीय संकट तक

- ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से हुओ नुकसान

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख एड-टेक कंपनी बायजूज़ कभी 22 अरब डॉलर (लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये) के वैल्यूएशन तक पहुंची थी। कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती मांग ने कंपनी को तेजी से बढ़ने का अवसर दिया। बायजूज़ ने वैश्विक विस्तार, बड़े अधिग्रहण और ब्रांडिंग में भारी निवेश किया। महामारी के बाद फंडिंग सस्ती नहीं रही और निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ। ऑनलाइन शिक्षा की मांग में गिरावट और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने कंपनी की आय को प्रभावित किया। नवंबर 2021 में लिया गया 1.2 अरब डॉलर का टर्म लोन बायजूज़ के लिए चुनौती बन गया। तिमाही ब्याज भुगतान (330 करोड़ रुपए) में चूक के बाद विदेशी लेंडर्स ने अमेरिका में मुकदमा दायर किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत कंपनी के दफ्तरों पर छापे मारे और लगभग 9,362 करोड़ रुपए के कथित उल्लंघन का नोटिस जारी किया। इसके अलावा बायजूज़ और लेंडर्स के बीच समय से पहले भुगतान और कानूनी कार्रवाई को लेकर भी विवाद चल रहा है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि 533 मिलियन डॉलर का फंड गायब है, जिससे कंपनी पर विवाद और बढ़ गया है। महामारी के समय में किए गए आक्रामक विस्तार और निवेश की रणनीति अब बायजूज़ के लिए बोझ साबित हो रही है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

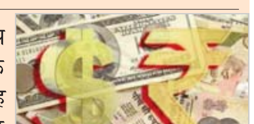

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 4 पैसे कि गिरावट के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे नीचे आकर 90.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों की खराब शुरुआत से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला, हालांकि विदेशी निवेशकों के निवेश ने इसे सहारा दिया एवं तेज गिरावट को रोक दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला। फिर टूटकर 90.96 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को पांच पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.89 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 97.81 पर रहा।

चांदी दो दिन में 16 हजार महंगी, कीमत 2.67 लाख/किलो

सोना 5 हजार बढ़ा, 10 ग्राम 1.60 लाख का हुआ

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार, 24 फरवरी को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,283 रुपए बढ़कर 1,59,503 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,58,220 रुपए पर था। सोना 2 कारोबारी दिनों में 5 हजार महंगा हुआ है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,460 रुपए बढ़कर 2,66,535 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,075 रुपए किलो थी। इससे पहले भी चांदी 13 हजार रुपए महंगी हुई थी। यानी दो दिन में ये 16 हजार से ज्यादा बढ़ चुकी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,000 रुपए और चांदी 36,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। 2025 में सोना 57 हजार (75 प्रतिशत) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167 प्रतिशत) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

मोक्सी पावर ने तमिलनाडु में 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका हासिल किया

- बिजली आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी

नई दिल्ली । अदाणी पावर की सहायक कंपनी मोक्सी पावर को तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन से पांच वर्षों के लिए 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने बोली में 5.910 रुपये प्रति यूनिट का सबसे प्रतिस्पर्धी शुल्क प्रस्तावित कर ठेका जीता। यह आपूर्ति 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। मोक्सी पावर तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 1,200 मेगावाट क्षमता का संयंत्र संचालित करता है। अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 18.15 गीगावाट है। संयंत्र की दोनों इकाइयों के पास बिजली आपूर्ति समझौते हैं, जिससे संचालन और राजस्व में स्थिरता बनी रहती है। अदाणी पावर की परिचालन क्षमता का 95 फीसदी से अधिक हिस्सा मध्यम से दीर्घकालिक अनुबंधों के तहत सुरक्षित है। कंपनी का लक्ष्य अगले वर्ष तक सभी परिचालित और जल्द चालू होने वाले संयंत्रों के लिए लगभग 100 फीसदी पीपीए हासिल करना है। यह रणनीति अल्पकालिक बाजार अस्थिरता के जोखिम को कम करती है और दीर्घकालिक राजस्व की स्पष्टता प्रदान करती है। इस ठेके से तमिलनाडु के उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली उपलब्ध होगी। ग्रिड की स्थिरता मजबूत होगी और घरों, उद्योगों एवं व्यवसायों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। प्रतिस्पर्धी शुल्क पर बिजली उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा का लाभ मिलेगा।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 1068 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे

छह लाख करोड़ से अधिक का नुकसान

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1068.74 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 82,225.92 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 288.35 अंक या 1.12 प्रतिशत गिरकर 25,424.65 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव व्यापक रहा, जिसमें मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक में करीब 1 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। तेज गिरावट के बीच निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी आई। इससे निवेशकों को एक ही दिन में छह लाख करोड़ रुपये से

अधिक का नुकसान हुआ।

एआई के संभावित प्रभाव के कारण तकनीकी शेयरों में कमजोरी का रुझान जारी है। भारतीय आईटी कंपनियों के एडीआर में कमजोरी यह संकेत देती है कि यह सेगमेंट दबाव में बना रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का आज बाद में होने वाला स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन और उसमें दिया जाने वाला संदेश वैश्विक बाजारों द्वारा उत्सुकता से देखा जाएगा।

इन कारणों से दिखी गिरावट

वैश्विक व्यापार और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर अनिश्चितता के बीच निवेशकों का मनोबल कमजोर बना रहा। यह कमजोरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 10-15 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ ढांचे की घोषणा के बाद टैरिफ संबंधी चिंताओं के फिर से उभरने से उत्पन्न हुई है, जिससे वैश्विक आर्थिक विकास और कंपनियों की आय पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं।

भारत जर्मनी और कनाडा के साथ खनिज सहयोग समझौतों को दे सकता है मंजूरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में भारत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए जर्मनी और कनाडा के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में संयुक्त आशय घोषणा को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है। जर्मनी के साथ प्रस्तावित समझौते का मुख्य फोकस संयुक्त अन्वेषण, सतत खनन, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण होगा। यह भारत को लिथियम, कोबाल्ट, निकल और अन्य दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगा। भारत और कनाडा के बीच भी इसी तरह का समझौता प्रस्तावित है। इससे ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए आवश्यक संसाधनों में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। यह कदम महत्वपूर्ण खनिज मिशन और *खनन एवं खनिज (विकास व विनियमन) संशोधन अधिनियम के तहत हाल की नीलामी के अनुरूप है।

ईपीएफओ निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ जल्द लौटाएगी

- 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 7.11 लाख निष्क्रिय खातों में फंसे 30.52 करोड़ रुपये जल्द खाताधारकों या उनके कानूनी वारिसों को लौटाने का फैसला किया है। यह पहल 31.86 लाख निष्क्रिय खातों को बंद करने की बड़ी योजना का हिस्सा है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें कुछ खाते 20 साल से पुराने हैं और पिछले तीन साल से इनमें कोई लेनदेन नहीं हुआ है। श्रम मंत्रालय ने इस योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसमें ऐसे खातों को चुना गया है जिनमें 0 से 1,000 रुपये तक की राशि है और जो आधार से जुड़े हैं। ईपीएफओ सीधे इन खातों में पैसे ट्रांसफर करेगा। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने पर बाकी निष्क्रिय खातों में भी इसी तरह राशि लौटाई जाएगी। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी योजना है। इसमें कर्मचारी अपने मूल वेतन का 12 फीसदी योगदान करते हैं, जबकि नियोक्ता भी उतना ही योगदान करता है। यदि किसी खाते में तीन साल तक कोई लेनदेन नहीं होता तो उसे निष्क्रिय घोषित किया जाता है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईपीएफओ सदस्य अपना पैसा आसानी से निकाल सकें। हालांकि, छोटे-छोटे निष्क्रिय खातों में फंसी राशि प्रशासनिक

जिम्मेदारियों और वित्तीय जवाबदेही में चुनौती पैदा करती है। हजारों करोड़ रुपये ऐसे निष्क्रिय खातों में फंसे हुए हैं क्योंकि लोग कम राशि निकालने के लिए आने-जाने की झंझट से बचते हैं। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने पर, ईपीएफओ धीरे-धीरे बाकी निष्क्रिय खातों में भी यह प्रक्रिया लागू करेगा। इससे खाताधारकों का पैसा सुरक्षित तरीके से लौटाया जाएगा और निष्क्रिय खातों का बोझ भी कम होगा।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन 1,500 एक्सपर्ट्स की करेगा नियुक्ति

- लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) अब केवल कारखानों के निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेगा। संगठन ने 1,500 वैज्ञानिक और विशेषज्ञों को नियुक्त करने की योजना बनाई है। ये विशेषज्ञ क्लिनिकल रिसर्च, बायोलॉजिक्स, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग और नियामकीय प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में काम करेंगे। इनमें से लगभग 40 फीसदी पद संविदा या लचीले आधार पर होंगे। इस कदम का उद्देश्य दवा मंजूरी और निगरानी प्रक्रिया को वैज्ञानिक, तेज़ और प्रभावी बनाना है। सीडीएससीओ ने जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। निरीक्षण में उत्पाद की जोखिम स्थिति, पिछली अनुपालन स्थिति और खुफिया सूचनाओं को ध्यान में रखा जाता है। 2022 के अंत से अब तक 1,250 विनिर्माण इकाइयों का ऑडिट किया जा चुका है। स्टाफ की कमी के कारण अब निरीक्षण में अधिसूचित थर्ड-पार्टी एजेंसियों को शामिल किया जाएगा। इससे निगरानी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। कफ सिरप निर्माण क्षेत्र बार-बार गुणवत्ता समस्याओं का केंद्र रहा है। देश में 1,300 कफ सिरप निर्माता हैं, जिनमें से लगभग 1,100 इकाइयों का निरीक्षण हो चुका है। गंभीर कमियों वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और कुछ को बंद करने का निर्णय लिया गया।

आरबीआई ने जारी किया सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के प्रीमैच्योर रिडेम्पशन कैलेंडर

अगले 6 महीने में 33 सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स भुना सकेंगे निवेशक

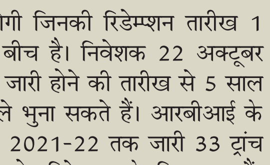

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 23 फरवरी 2026 को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) के समय से पहले रिडेम्प्शन के लिए कैलेंडर जारी किया। यह सुविधा उन बॉन्ड पर लागू होगी जिनकी रिडेम्प्शन तारीख 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच है। निवेशक 22 अक्टूबर 2021 के दिशानिर्देशों के अनुसार, जारी होने की तारीख से 5 साल पूरे होने पर एसजीबी समय से पहले भुना सकते हैं। आरबीआई के शेड्यूल के अनुसार 2018-19 से 2021-22 तक जारी 33 ट्रांच इस छह महीने की अवधि में प्रीमैच्योर रिडेम्प्शन के लिए पात्र हैं। सबसे पहला ट्रांच 2018-19 सीरीज-2 है, जो 23 अप्रैल 2026 से भुनाई के लिए खुला रहेगा। आवेदन विंडो 23 मार्च से 13 अप्रैल 2026 तक रहेगी। आखिरी पात्र ट्रांच 2019-20 सीरी-10 है, जिसकी रिडेम्प्शन 11 सितंबर 2026 होगी और आवेदन 11 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक होगा। निवेशक आरबीआई के अधिकृत कार्यालयों, डिपॉजिटरी या आरबीआई रिटेल डायरेक्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आरबीआई ने कहा है कि अप्रत्याशित अवकाश पर तारीखों में बदलाव हो सकता है। निवेशकों को अपनी ट्रांच की सटीक आवेदन अवधि पर ध्यान देना जरूरी है।

इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी प्रियामणि

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड में एक अलग मुकाम बनाया है। साथ ही बाकी भारतीय कलाकारों के लिए भी राह खोली है। प्रियंका की राह पर चलते हुए साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि भी अब एक इंडो–हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। इसमें उनके साथ टीवी पर 'महादेव' का किरदार निभाने वाला एक चर्चित एक्टर नजर आएगा।

मोहित रैना होंगे प्रियामणि के अपोजिट

इस फिल्म में प्रियामण के अपोजिट टीवी के चर्चित एक्टर मोहित रैना नजर आएंगे। वह बॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं। लेकिन टीवी सीरियल 'देवों के देव महादेव' में उन्होंने भगवान शिव की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मोहित रैना कहते हैं, 'यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह पहचान और अपनेपन को बहुत ईमानदारी से दिखाता है।' वहीं प्रियामणि ने कहा, 'जिस चीज ने मुझे तुरंत इस फिल्म की तरफ खींचा, वह थी कहानी का इमोशन और सच्चाई।' यूएस बेस्ड रेड बाइसन प्रोडक्शंस ने इस क्रॉस बॉर्डर फीचर फिल्म के लिए मुंबई के एज्योर एंटरटेनमेंट के साथ पार्टनरशिप की है। यह फिल्म हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखी गई। वही इसका डायरेक्ट करेंगे। अभी तक फिल्म का टाइटल नहीं रखा गया है। यह एक फीचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें एक अप्रवासी परिवार की भावुक कहानी दिखाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2026 में शुरू होगा।

अब 'प्रोड्यूसर' बन लोगों का दिल जीतेंगी नित्या मेनन

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, 'मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है।' अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का–सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, 'यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है– कीयूरी प्रोडक्शंस।' वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ–साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म 'मिशन मंगल' में नजर आई थीं।

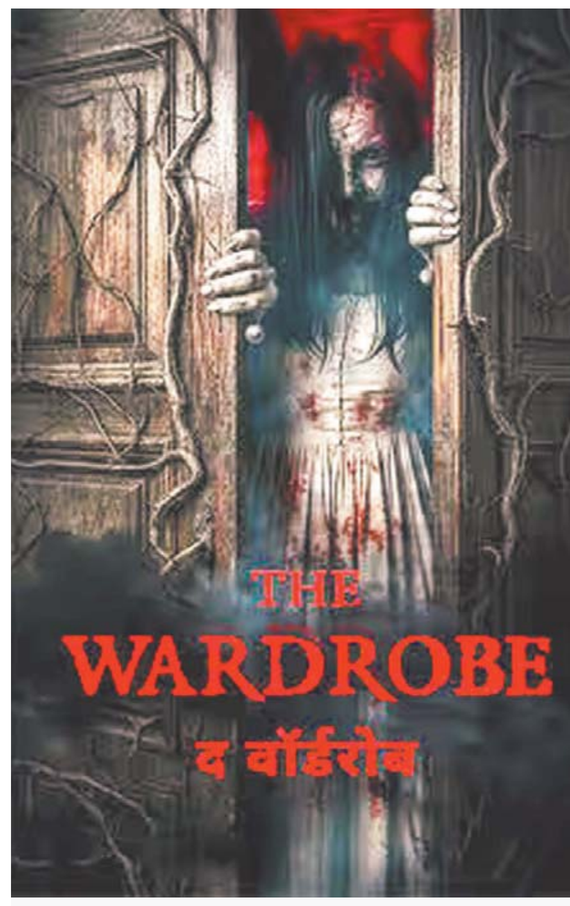

'द वॉर्डरोब' से होगा दिव्या अग्रवाल का बॉलीवुड डेब्यू

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म 'द वॉर्डरोब' का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है। टीवी रियलिटी शोज की विजेता रह चुकीं दिव्या अग्रवाल इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

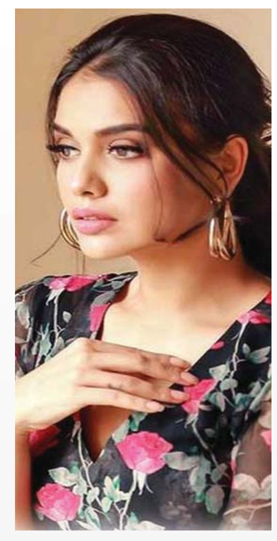

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है। दिव्या ने कहा, 'इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के तौर पर चैलेंज किया। कहानी बहुत ग्रिपिंग और एटमॉस्फेरिक है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे जल्द से जल्द देखें।' वहीं रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म की स्क्रिप्ट की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें सस्पेंस और साइकोलॉजिकल एलिमेंट्स का शानदार बेलेंस है।

फिल्म की कहानी एक साधारण–सी दिखने वाली अलमारी से शुरू होती है, जो धीरे–धीरे डरावनी घटनाओं की एक लंबी कड़ी को जन्म देती है। ट्विस्ट, शॉक और रहस्य से भरी यह कहानी दर्शकों को सीट से बांधे रखने पर मजबूर कर सकती है। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि अमेज़ॉन प्राइम विडिओ के वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' में क्रिकेट की चमक–दमक के पीछे की अंधेरी दुनिया को सिद्धांत ने बखूबी उकेरा था। फिलहाल बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए।' वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नज़र आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' की टक्कर से बचकर निकले सनी देओल; आगे खिसकी 'गबरू' की रिलीज डेट

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल हुई है। इस बीच वे अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें फिल्म 'गबरू' का भी नाम है। पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। रिलीज डेट में बदलाव किया गया है।

'गबरू' कब होगी रिलीज?

'बॉर्डर 2' के बाद सनी देओल के फैंस की नजर उनकी आगामी फिल्मों पर टिकी है। शशांक उदयपुरकर निर्देशित यह फिल्म पहले 13 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसमें बदलाव कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह फिल्म 08 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में ह्ह्ढ के साथ बातचीत में सनी देओल ने 'गबरू' को अपने दिल के सबसे करीब फिल्मों में से एक बताया।

फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा टकराव

फिल्म 'गबरू' को विशाल राणा और ओम छंगानी के प्रोड्यूस किया है। फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कमानी अहम रोल में हैं। सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब इसका मुकाबला लक्ष्य ललवानी और अनन्या पांडे की फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा। यह फिल्म भी 08 मई को रिलीज होने वाली है। अनन्या और लक्ष्य की फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है।

'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' से बच निकले सनी देओल

बता दें कि मार्च में दो बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक दे रही हैं। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' और यश की 'टॉक्सिक'। दोनों ही फिल्में 19 मार्च 2026 को रिलीज हो रही हैं। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त तरीके से सफल रही। इसके दूसरे पार्ट का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, 'टॉक्सिक' का भी क्रेज है। संभवत: इन दोनों फिल्मों से भिड़ंत से बचने के लिए मेकर्स ने सनी देओल की 'गबरू' की रिलीज में बदलाव किया है।

फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरित

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, 'नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।'

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलता

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है।

एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोडूंगी।'

फिल्म के गाने बनाने में समय लग गया

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, 'जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे तो फिल्म को एक भाषा में रिलीज करना हमें सही नहीं लगा। इसलिए ए.आर रहमान सर ने शुरू से फिल्म का संगीत बनाना शुरू किया। हिंदी के गाने पहले से ही तैयार थे, तमिल, मलयालम, तेलुगु, मराठी के गाने बनाने शुरू किए। उसमें एक साल और लग गया। लेकिन हमारी मंशा थी कि चाहे एक–दो साल लग जाएं लेकिन जब फिल्म दर्शकों के सामने आए तो लोगों की वाहवाही मिले।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in